सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 131 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 23 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या, पर्चा फेंक किया कैंप खोलेने का विरोध

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी। जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लेड में रहने वाले दो ग्रामीणों की नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाते हुए गुरुवार देर रात हत्या कर दी। साथ ही नक्सलियों ने एक पर्चा भी जारी किया है। जिसमें नक्सलियों ने पुलिस के द्वारा खोले जा रहे कैंप का विरोध किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 22 व 23 फरवरी की दरमियानी रात को नक्सलियों ने थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत दुल्लेड़ गांव के रहने वाले दो आम नागरिकों की हत्या कर दी थी। मृतकों की पहचान सोड़ी हूंगा व माड़वी नंदा ग्राम कहेर निवासी दुल्लेड़ गांव के रूप में हुई है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शवों को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस को एक पर्चा मिला है जिसमें नक्सलियों ने नए कैंप खोले जाने का विरोध किया है।

बता दें सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास का प्लान तैयार किया है और इसके तहत नए कैंप खुल रहे हैं और सुरक्षा बलों की देखरेख में विकास कार्य भी हो रहे हैं। नक्सली शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास की धारा को आम नागरिकों तक पहुंचना नहीं देना चाह रहे है। जिसके चलते ग्रामीणों में डर बनाने के लिए निर्दोष ग्रामीणों की हत्या कर रहे है।

आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारी की भर्ती में छूटे आवेदनों की समीक्षा 26 फरवरी को

रायपुर। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रचलित प्रक्रिया के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों की समीक्षा किये जाने के संबंध में उप मुख्यमंत्री एवं मंत्री तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग विजय शर्मा के निर्देश से शासन द्वारा गठित समिति की बैठक 21 फरवरी 2024 को संचालनालय तकनीकी शिक्षा में आयोजित की गयी थी। समिति के समक्ष कई अभ्यर्थियों ने स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा। ऐसे आवेदक जो 21 फरवरी 2024 को समिति के समक्ष अपना पक्ष नहीं रख पाये है तथा वे अभ्यर्थी जो समिति के समक्ष अपना पक्ष रखना चाहते हैं, वे 26 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे संचालनालय तकनीकी शिक्षा, चतुर्थ तल, ब्लॉक-तीन, इंद्रावती भवन, अटल नगर नवा रायपुर में उपस्थित हो सकते हैं। जो आवेदक समिति के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं उनके अभ्यावेदनों की भी समीक्षा समिति द्वारा की जाएगी।

पीएम मोदी छत्तीसगढ़ को कल देंगे 34,400 करोड़ की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ को कल 34,400 करोड़ की सौगातें देने जा रहे हैं। विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के तहत मोदी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं सड़क, रेलवे, कोयला, बिजली और सौर ऊर्जा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पूरा करती हैं। इनमें भिलाई में 50 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है, जिसे पीएम मोदी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस ऊर्जा संयंत्र से ट्रेनों को सौर ऊर्जा से चलाने में सहायता मिलेगी।

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले छत्तीसगढ़ में एक बार फिर दिग्गज नेताओं की चुनावी हुंकार सुनाई देने लगी है। गुरुवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जांजगीर में विजय संकल्प शंखनाद रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव देश का भविष्य तय करेगा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोदी सरकार की योजनाओं को गिनाया। वहीं शनिवार 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

लारा सुपर ताप विद्युत परियोजना राष्ट्र को करेंगे समर्पित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के लारा सुपर ताप विद्युत परियोजना चरण- 1 (2×800 मेगावाट) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के लारा सुपर ताप विद्युत परियोजना चरण- 2 (2×800 मेगावाट) की आधारशिला रखेंगे। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के लारा सुपर ताप विद्युत केंद्र के चरण- 1 को लगभग 15,800 करोड़ रुपये के निवेश से बनाया गया है और परियोजना के चरण-2 का निर्माण चरण-1 परिसर की उपलब्ध भूमि पर किया जाएगा। इस प्रकार विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता नहीं होगी, और इसमें 15,530 करोड़ रुपये का निवेश होगा। अत्यधिक कुशल सुपर क्रिटिकल तकनीक (चरण-1 के लिए) और अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक (चरण-2 के लिए) से सुसज्जित, यह परियोजना कम विशिष्ट कोयला खपत और कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सुनिश्चित करेगी। जबकि चरण- 1 और चरण-2 दोनों से 50 प्रतिशत बिजली छत्तीसगढ़ राज्य को आवंटित की जाएगी। यह परियोजना गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, दमण और दीव, दादरा और नगर हवेली सहित अन्य जैसे कई अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली व्यवस्था में सुधार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजनांदगांव के सौर पीवी परियोजना का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए एक कदम के रूप में, राजनांदगांव में लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सौर पीवी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। यह परियोजना सालाना अनुमानित 243.53 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगी और 25 वर्षों में लगभग 4.87 मिलियन टन कार्बन डाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करेगी, जो उसी अवधि में लगभग 8.86 मिलियन पेड़ों द्वारा अवशोषित कार्बन के बराबर है।

रेल और सड़क मार्ग की परियोजनाएं भी शामिल

प्रधानमंत्री मोदी रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बिलासपुर-उसलापुर फ्लाईओवर का लोकार्पण करेंगे। इससे यातायात की भारी भीड़ कम हो जाएगी और बिलासपुर से कटनी की ओर जाने वाला कोयला ले जाने वाला यातायात समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री भिलाई में 50 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इससे रेलगाड़ियों को चलाने में सौर ऊर्जा के उपयोग में सहायता मिलेगी। वहीं पीएम मोदी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-49 के 55.65 किलोमीटर लंबे खंड को पक्के किनारों के साथ दो लेन में पुनर्वास और उन्नयन कार्य का उद्घाटन करेंगे। यह परियोजना दो महत्वपूर्ण शहरों बिलासपुर और रायगढ़ के बीच संपर्क को बेहतर बनाने में सहायता करेगी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-130 के 52.40 किलोमीटर लंबे खंड को पक्के किनारों के साथ दो-लेन में पुनर्निर्मित और उन्नत करने के कार्य का भी शुभारंभ करेंगे। यह परियोजना अंबिकापुर शहर के रायपुर और कोरबा शहर के साथ संपर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगी और क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन प्रदान करेगी।

एसईसीएल की तीन प्रमुख फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की तीन प्रमुख फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनकी कुल लागत 600 करोड़ रुपये से अधिक है। ये परियोजनाएं कोयले की तेज़, पर्यावरण-अनुकूल और कुशल मशीनीकृत निकासी में मदद करेंगे। इन परियोजनाओं में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के दीपका क्षेत्र में दीपका ओसीपी कोल हैंडलिंग प्लांट, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के रायगढ़ क्षेत्र में छाल और बरौद ओसीपी कोल हैंडलिंग प्लांट शामिल हैं।

एफएमसी परियोजनाएं पिथेड से साइलो, बंकर और कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से तेजी से लोडिंग सिस्टम से सुसज्जित कोयला हैंडलिंग संयंत्रों तक कोयले की मशीनीकृत आवाजाही सुनिश्चित करती हैं। ये परियोजनाएँ सड़क के माध्यम से कोयले के परिवहन को कम करके, कोयला खदानों के आसपास यातायात की भीड़, सड़क दुर्घटनाओं और पर्यावरण और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करके कोयला खदानों के आसपास रहने वाले लोगों की जीवन स्थितियों को सुगम बनाने में सहायता करेंगी। इससे पिट हेड से रेलवे साइडिंग तक कोयला ले जाने वाले ट्रकों द्वारा डीजल की खपत को कम करके परिवहन लागत में भी बचत होगी।

संदेशखालीः गुस्साए लोगों ने शाहजहां के ठिकाने पर लगाई आग

कोलकाता (एजेंसी)। बीते कई दिनों से अशांत चल रहे संदेशखाली में फिर से बवाल हुआ है। दरअसल गुस्साए लोगों ने शुक्रवार सुबह भगोड़े शाहजहां शेख के ठिकानों पर आगजनी की। लोगों ने जिस जगह आगजनी की है, वह शाहजहां शेख के भाई सिराज की बताई जा रही है। बवाल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह भीड़ को नियंत्रित किया। गुस्साए लोगों का आरोप है कि वर्षों से पुलिस ने कुछ नहीं किया, यही वजह है कि अब वे खुद अपना सम्मान और जमीन पाने के लिए सबकुछ करेंगे।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल और पुलिस में तीखी बहस

भाजपा की महिला नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को संदेशखाली के दौरे पर है। जहां प्रतिनिधिमंडल पीड़ित महिलाओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात करेगा। हालांकि पुलिस ने भाजपा के प्रतिनिधिमंडल को संदेशखाली जाने से रोक दिया है, जिसके चलते भाजपा नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस हो गई। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा की राज्य ईकाई की महासचिव लॉकेट चटर्जी और अग्निमित्रा पॉल कर रही हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल भी शुक्रवार को संदेशखाली का दौरा करेगी। आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी कर संदेशखाली हिंसा पर जवाब भी मांगा था।

जांजगीर में गृहमंत्री अमित शाह बोले- बनेंगे दुनिया के तीसरे नंबर की आर्थिक ताकत

केन्द्रीय गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ में किया चुनावी शंखनाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर जांजगीर में विजय संकल्प शंखनाद रैली को उन्होंने संबोधित किया। यहां आम सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ में लोकसभा की तैयारियों का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद हम दुनिया के तीसरे नंबर की आर्थिक ताकत बन जाएंगे। साथ ही शाह ने कहा कि, कश्मीर में सालों से परेशान करने वाला 370 का नासूर हमने खत्म किया है। इससे पहले शाह कोंडागांव भी गए जहां उन्होंने बस्तर क्लस्टर की बैठक ली। इस बैठक में करीब 45 मिनट तक लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाई गई। इस दौरान महासमुंद, कांकेर और बस्तर लोकसभा के 200 भाजपा नेताओं को उन्होंने टिप्स दिए।

जांजगीर में सभा के दौरान केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि, 2 महीने में मोदी की गारंटी साय सरकार ने छत्तीसगढ़ में पूरी कर

ली है। मैं विश्वास दिलाता हूं, मोदी की हर गारंटी पूरी होगी। वहीं केंद्र की मोदी सरकार भी 5 लाख तक इलाज का खर्चा उठा रही है। 10 करोड़ से ज्यादा शौचालय केंद्र सरकार ने बनाए इसमें से छत्तीसगढ़ में ही 38 लाख शौचालय बने। अमति शाह ने कहा मैं राम के ननिहाल में आया हूं, आपको बता दूं कि, कांग्रेस ने 550 साल से लटके मसले को 75 साल में खत्म नहीं किया। अब मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर इस मसले को भी खत्म किया है। मैं आप लोगों से भी वादा लेकर जाना चाहता हूं, इस बार 11 की 11 सीटों पर बीजेपी को जीत दिलाएंगे।

भारत अंतरिक्ष में तीसरी बड़ी शक्ति बना

शाह ने आगे कहा कि, पाकिस्तान के घर में घुसकर हमने सर्जिकल स्ट्राइक की और आतंकवाद को दंडित किया। कश्मीर में 370 का नासूर सालों से परेशान करता था, इसे हमने खत्म कर कश्मीर को हमेशा के लिए देश का अंग बना दिया।भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी तीसरी बड़ी ताकत बन गया है। अर्थतंत्र में हमारा देश पहले 11वें नंबर पर था आज पांचवें नंबर है। एक बार मोदीजी को फिर से प्रधानमंत्री बना दीजिए, मोदी की गारंटी है, हम दुनिया के तीसरे नंबर की आर्थिक ताकत बन जाएंगे।

कल से राजिम कुंभ कल्प, देशभर के साधू-संतो का होगा संगम

- धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मेला स्थल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाला राजिम कुंभ कल्प इस वर्ष 24 फरवरी माघपूर्णिमा से 8 मार्च महाशिवरात्रि तक आयोजित होगा। राज्य शासन ने इसे राजिम कुंभ कल्प का नाम दिया है। इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव के रूप में मनाया जायेगा। इसके लिए राजिम त्रिवेणी संगम में भव्य तैयारियां की जा रही है। राजिम कुंभकल्प में इस बार देशभर के साधू संतों का आगमन हो रहा है।

राजिम कुंभ कल्प की तैयारियों को लेकर

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मेला स्थल में मुख्य मंच, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के लिए सहायक सांस्कृतिक मंच, गंगा स्नान स्थल, साधु संतों के निवास, पेयजल, शौचालय, कुलेश्वर महादेव मार्ग एवं लोमश ऋषि आश्रम तक जाकर मेला के संबंध में की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मेला स्थल में सभी जरूरी तैयारियों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान राजिम विधायक श्री रोहित साहू, कलेक्टर दीपक अग्रवाल, एसएसपी अमित तुकाराम कांबले सहित गरियाबंद, रायपुर और धमतरी के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मंत्री अग्रवाल ने मेला स्थल में तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत मेला स्थल में ही अधिकारियों की बैठक लेकर सभी कार्यो को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कुंभ मेला स्थल में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लैब टेस्ट सुविधा, एंबुलेंस सहित आवश्यक एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाइयों का स्टॉक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंदिरों में व्हाइट वाश और लाइटिंग करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्बाध पेयजल सुविधा और जरूरी शौचालय व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सड़कों में धूल न उड़े इसके लिए लगातार पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राजिम कुंभ कल्प 2024 के दौरान 3 दिन विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत 24 फरवरी, 4 मार्च और 8 मार्च को राजिम त्रिवेणी संगम में विशेष स्नान का आयोजन किया जाएगा। राजिम कुंभ मेला के दौरान 15 दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

परीक्षा में पास कराने को छात्रा से मांगा जिस्म

श्रीकंचनपथ

यह खबर विचलित तो करती है पर अब ऐसी घटनाओं पर हैरानी कम होती है। बिलासपुर के छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के एक व्याख्याता ने छात्रा को एक अजीब प्रस्ताव दिया। छात्रा द्वारा पुलिस के साथ साझा किये गये व्हाट्सअप चैट के मुताबिक व्याख्याता ने उसे परीक्षा में पास होने के दो तरीके सुझाए। इनमें से पहला प्रस्ताव था कि प्रति विषय एक निश्चित रकम देनी होगी। यदि रकम देने की क्षमता नहीं है तो इसका एक दूसरा विकल्प भी होगा। छात्रा को शिक्षक के साथ भी वही सबकुछ करना होगा जो वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ करती होगी। यह एक अत्यंत भद्दा और अश्लील इशारा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कोई शिक्षक इतना बेशर्म कैसे हो सकता है? और कितना बेशर्म हो सकता है वह प्रबंधन जिसने शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की? अंततः छात्रा के परिजनों को ही पुलिस के पास जाना पड़ा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था में सुधार के नाम पर उसकी ऐसी-तैसी फेर दी गई है। पूरी शिक्षा व्यवस्था चंद लोगों की मर्जी पर निर्भर हो गई है। खासकर विज्ञान एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में इतने अधिकार विषय के शिक्षकों और संस्थानों को दे दिए गए हैं कि लगभग प्रतिदिन ही शिक्षा के साथ बलात्कार हो रहा है। आखिर इतना अधिकार कैसे किसी व्यक्ति या संस्था को दिया जा सकता है कि वह छात्र के भविष्य का हाकिम बन जाए। इस अधिकार का अधिकांश शिक्षक और संस्थान बेजा फायदा उठा रहे हैं। वे बच्चों को डरा-धमका कर उनके साथ मनमानी कर रहे हैं। मनमानी से यहां आशय केवल जिस्मानी रिश्ता बनाने को लेकर नहीं है, विद्यार्थी से उसकी मर्जी के खिलाफ कराया जाने वाला प्रत्येक कार्य इसी श्रेणी में आता है। वैसे भी बलात्कार का शाब्दिक अर्थ 'बलात' किया गया कार्य होता है। बलात अर्थात जोर जबरस्ती से किया गया कार्य। इसमें मोटी फीस, फीस के इतर फीस और तरह-तरह की फाइन और पेनाल्टी लगाकर उनसे अवैध वसूली सब शामिल है। छात्र इसलिए ये ज्यादती सहता चला जाता है क्योंकि उसके पास या फेल होने में संस्था की भूमिका होती है। संस्था चाहे तो गोबर टाइप का विद्यार्थी भी सेशनल की मदद से अच्छे से पास हो जाए और होनहार विद्यार्थी भी सेशनल का घाटा उठाने के लिए विवश हो जाए। सबसे पहले शिक्षा और परीक्षा को इतना युक्ति संगत बनाए जाने की जरूरत है कि विद्यार्थी केवल अपनी मेधा के बल पर इसे उत्तीर्ण कर सके। जब परीक्षा केन्द्रीयकृत है तो इसका कोई भी भाग संस्था के काबू में क्यों होना चाहिए? सेशनल मार्क्स, अटेंडेंस, प्रोजेक्ट वर्क जैसे कार्य विद्यार्थियों का भयादोहन करने के उपकरण मात्र बनकर रह गए हैं। इसका नतीजा भी सामने हैं। जमाना बेशक 70 प्रतिशत से आगे निकलकर 100 प्रतिशत प्राप्तांक के आस-पास मंडरा रहा है, पर विद्यार्थियों का स्तर देखें तो वो एक सफा अपने हिसाब से लिख नहीं पाते। बलिहारी शिक्षा नीति की।

संपादकीय

अराजकता पर लगाम

किसी भी सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग को रोकना न केवल अनिवार्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। किसान आंदोलन के समाधान में जुटी भारत सरकार ने इस आंदोलन के मद्देनजर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के दुरुपयोग पर आपत्ति जताई थी और अनेक अकाउंट व पोस्ट को हटाने का फरमान सुनाया था। जाहिर है, आदत से मजबूर एक्स ने कुछ इंतजार कराने के बाद ही भारत सरकार के आदेश की पालना की है। हालांकि, एक्स आपत्तिजनक खातों को केवल भारत के लिए प्रतिबंधित करेगा, शेष दुनिया में ये खाते व पोस्ट नजर आते रहेंगे। लगे हाथ एक्स ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए इस कार्रवाई से अपनी वैचारिक असहमति भी जता दी है। क्या एक्स की यह टिप्पणी आपत्तिजनक नहीं है? क्या यह प्रश्न नहीं उठता कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चीन या रूस जैसे देशों में कहां चली जाती है? 20 से ज्यादा देश हैं, जहां एक्स प्रतिबंधित है। हर देश को अपनी हित-चिंता का हक है, अत: भारत सरकार की चिंता भी जायज है। अधूरे मन से ही सही, एक्स को झुकना पड़ा है। लोग भूले नहीं हैं कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले साल 2021 टेकडाउन आदेशों को चुनौती देने वाली ट्विटर या एक्स की याचिका खारिज कर दी थी और समय पर कार्रवाई करने में नाकाम रहने के लिए अमेरिकी कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इस बार भी कार्रवाई के भय की वजह से ही आदेशों की पालना की है। हालांकि, उसे भारत की उदारता का स्वत: आदर करना चाहिए। यहां उदारता का अर्थ अनुशासनहीनता कतई नहीं है। वाकई इधर, एक्स पर कई टिप्पणियां ऐसी देखी गई हैं, जिनमें अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार पर प्रहार किए गए हैं। कोई भी सरकार इस बात को स्वीकार नहीं करेगी कि उसके खिलाफ किसी सोशल मंच पर अविश्वास को बढ़ाया जाए। ऐसी टिप्पणियां भी सामने आई हैं, जिनमें हिंसा भड़काने या लोगों को उकसाने की साजिश साफ झलकती है। पिछले किसान आंदोलन के समय ही दिल्ली के लाल किले पर जो हिंसक हमला हुआ था, उसे कौन भूल सकता है? वैसी ही किसी साजिश को अंजाम देने की कोई कोशिश समय रहते नाकाम की जाए, तो इसमें बुराई नहीं है। देश में सेवाएं दे रहे तमाम सोशल मीडिया मंचों को साफ तौर पर यह संदेश देना चाहिए कि भड़काने की कोई साजिश स्वीकार्य नहीं होगी। किसी भी तरह की मांग केवल लोकतंत्र और संविधान के दायरे में हो, यह सुनिश्चित करने में कोई बुराई नहीं है। सोशल मीडिया में ऐसी अनेक टिप्पणियां दिख जाती हैं, जिनके लिए कारावास की सजा हो सकती है या जुर्माना लग सकता है। जहां तक एक्स का सवाल है, तो यह कंपनी पहले ही 50 लाख रुपये के जुर्माने से बचने के लिए अदालत में गुहार लगा रही है। हालांकि, ऐसे मामलों में अदालतों को जल्दी फैसला लेना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगनी ही चाहिए। ऐसे मंचों पर अपने विचार रखने वालों को पता होना चाहिए कि कोई भी कानून या समाज या देश विरोधी टिप्पणी भारी पड़ सकती है। सरकार के आदेश पर 42 एक्स खातों और 49 लिंक को प्रतिबंधित किया गया है, पर क्या इतना ही पर्याप्त है? सोशल मंचों के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ लोगों की नाराजगी को दूर करने की कोशिशें भी मुस्तैदी से होनी चाहिए। नफरत फैलाने वाले या सामाजिक सद्भाव से खेलने वाले जिस किसी दल या संगठन के हों, प्रतिबंध और दंड के हकदार हैं।

> सोशल मीडिया में ऐसी अनेक टिप्पणियां दिख जाती हैं, जिनके लिए कारावास की सजा हो सकती है या जुर्माना लग सकता है। जहां तक एक्स का सवाल है, तो यह कंपनी पहले ही 50 लाख रुपये के जुर्माने से बचने के लिए अदालत में गुहार लगा रही है। हालांकि, ऐसे मामलों में अदालतों को जल्दी फैसला लेना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगनी ही चाहिए।

मराठा आरक्षण के बावजूद

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए विधानसभा से विधेयक पारित करा लिया है। यह प्रावधान इस रूप में किया गया है, जिससे ओबीसी समुदाय नाराज ना हो। मराठा संगठन ओबीसी श्रेणी के अंदर आरक्षण मांग रहे थे, लेकिन राज्य सरकार ने उनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान किया है। इस तरह ये आरक्षण 50 प्रतिशत की उस सीमा से बाहर होगा। यह सीमा सुप्रीम कोर्ट ने लगा रखी है। वैसे यह सीमा आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के साथ पहले ही टूट चुकी है। तो उसे मिलाकर अब महाराष्ट्र में सरकारी नौकरियों और शिक्षा संस्थानों में कुल आरक्षित सीटों की संख्या 70 प्रतिशत हो जाएगी। तो क्या नई व्यवस्था न्यायिक परीक्षण में खरी उतरेगी? मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि चूंकि कई राज्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण लागू किया गया है, तो महाराष्ट्र में भी यह टिकाऊ होगा। हाल ही में बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दी गई है। लेकिन मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल को शिंदे की बात पर भरोसा नहीं है।

पाटिल ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने अलग श्रेणी के तहत जो आरक्षण दिया है, वह मराठा समुदाय को मंजूर नहीं है। मराठों को ओबीसी कोटे से ही आरक्षण चाहिए। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय की आबादी 28 प्रतिशत है। यह समुदाय राजनीतिक तौर पर राज्य में सबसे प्रभावशाली माना जाता है। इसके बावजूद मराठा समुदाय में गरीबी रेखा से नीचे के 21.22 प्रतिशत परिवार हैं। मुद्दा यह है कि क्या आरक्षण से गरीबी या शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्या दूर हो जाएगी? क्या ऐसा पहले से आरक्षण प्राप्त समुदायों में हो गया है? तमाम अध्ययन और अनुभव बताते हैं कि ऐसा नहीं हुआ है। बुनियादी वजह यह है कि आरक्षण की हर लड़ाई का मकसद मौजूद अवसरों में अधिक हिस्सा पाना है। जबकि ये अवसर इतनी संख्या में मौजूद नहीं हैं, जिनसे सबकी विकास एवं बेहतर जीवन की आकांक्षा पूरी हो। असल मुद्दा ऐसी आर्थिकी और विकास नीति का है, जिनसे मांग के अनुरूप ऐसे अवसर बढ़ें। लेकिन ये बात चर्चा से बाहर है।

प्रियंका राज्यसभा नहीं मिलने से नाराज?

कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा नाराज हैं। वे राज्यसभा से अपनी पारी की शुरुआत करना चाहती थीं लेकिन उनको मौका नहीं मिला। पिछले कई बरसों से उनक करीबी नेता इसकी मांग कर रहे हैं। इस बार पक्के तौर पर कहा जा रहा था कि वे राज्यसभा में जाएंगी। उन्होंने खुद इसके लिए बहुत भागदौड़ की थी। पिछले दिनों वे शिमला में थीं तो वहीं से हैदराबाद गई थीं और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिल कर लौटी थीं। कहा जा रहा था कि वे हिमाचल प्रदेश या तेलंगाना से राज्यसभा में जा सकती हैं। जब यह तय हो गया कि सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा में जाएंगी तब उनकी उम्मीद और बढ़ गई थी कि वे हिमाचल से उच्च सदन में जा सकती हैं।

लेकिन उनका नाम नहीं तय हुआ और सोनिया गांधी ने रायबरेली के लोगों को एक भावुक चिट्ठी लिखी तो उसमें संकेत दे दिया कि परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ सकता है। बताया जा रहा है कि इस बात से प्रियंका नाराज हैं। वे अमेठी में पिछले चुनाव में राहुल गांधी का हस्र देख चुकी हैं। इसलिए उनको पता है कि वे रायबरेली लड़ेंगी तो भाजपा की पूरी मशीनरी उनको हरवाने में जुट जाएगी। इसलिए वे लड़ना नहीं चाहती हैं। इसके अलावा वे बिना किसी प्रभार के महासचिव बना कर रखे जाने से भी नाराज हैं। तभी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 35 दिन से ज्यादा हो जाने के बावजूद वे उसमें शामिल नहीं हुईं। उत्तर प्रदेश में जब राहुल की यात्रा पहुंची तो बताया गया कि प्रियंका बीमार हैं और इसलिए यात्रा में नहीं शामिल होंगी।

> इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि रूस को युद्ध के लिए उकसाया गया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में वीटो का अधिकार रखने वाले किसी स्थायी सदस्य द्वारा युद्ध की शुरुआत करना किसी भी सूरत में वाजिब नहीं था। विश्व में शांति व सुरक्षा कायम रखना ही सुरक्षा परिषद् का पहला कर्तव्य है, जबकि रूस ने खुद दुनिया की शांति में सेंध लगा दी।

यूक्रेन में दो साल से युद्ध देखती दुनिया

विवेक काटजू, पूर्व राजदूत

यूक्रेन-रूस युद्ध को दो साल पूरे हो रहे हैं। 24 फरवरी, 2022 को रूस की सेना यूक्रेन में दाखिल हुई थी और राजधानी कीव की ओर उसने कूच करना शुरू किया था। मॉस्को को उम्मीद थी कि उसकी सेना यूक्रेन के अधिकाधिक हिस्से पर तेजी से कब्जा जमा लेगी, और अगर कीव तक वह न भी पहुंच सकी, तो यूक्रेन पर जरूर दबाव बना देगी। उसका यह भी मानना था कि रूसी सेना को देखकर कीव की जनता घबरा जाएगी, जिसके कारण जेलेंस्की सरकार का तख्ता-पलट होगा और रूस-समर्थक सत्ता यूक्रेन पर आसीन हो जाएगी। मगर रूस अपने मकसद में सफल नहीं हो सका, जिसके कई कारण रहे।

मॉस्को की उम्मीद के विपरीत यूक्रेन की जनता रूसी हमले के खिलाफ उठ खड़ी हुई, और यूक्रेन की सेना ने भी हिम्मत व जोश के साथ रूसी फौज का मुकाबला किया। इसके साथ-साथ अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देश रूसी हमले के खिलाफ मुखर हो गए। यूरोप के मुख्य देशों ने खुलेआम कहा कि रूस की कार्रवाई से यूरोप की सामरिक स्थिति बदल गई है, इसलिए उन्होंने यूक्रेन को राजनीतिक मदद के साथ-साथ आर्थिक व सैन्य सहायता देनी शुरू कर दी।

कुछ यूरोपीय इतिहासकारों और विश्लेषकों का मानना है कि रूस का आक्रमण शीत-युद्ध का आखिरी अध्याय है। उल्लेखनीय है, शीत-युद्ध के अंतिम वर्षों में तत्कालीन सोवियत संघ को पश्चिम, विशेषकर कुछ अमेरिकी नेताओं ने आश्वस्त किया था कि जर्मनी के एकीकरण की वजह से सोवियत संघ कभी सामरिक दबाव में नहीं आएगा। सोवियत नेतृत्व ने इस आश्वासन का यह अर्थ निकाला कि नाटो का विस्तार नहीं किया जाएगा और मध्य यूरोप के देश, जो सोवियत संघ के जमाने में वारसा संधि (नाटो के जवाब में सोवियत संघ के नेतृत्व में पूर्वी यूरोप के देशों के गठबंधन द्वारा की गई संधि) के सदस्य थे, नाटो में शामिल नहीं किए जाएंगे। मगर ऐसा नहीं हुआ। 1991 में सोवियत संघ का पतन हुआ और आखिरी तीन दशकों में रूस इसका उत्तराधिकारी देश बना। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिम पर इल्जाम लगाया कि रूस द्वारा बार-बार दी गई चेतावनियों के बावजूद नाटो का पांच बार विस्तार हुआ और जो आश्वासन सोवियत नेतृत्व को दिए गए थे, उसको बार-बार नजरंदाज किया गया, जिससे रूस की सामरिक स्थिति पर दबाव पड़ा है। मॉस्को की नाराजगी उस वक्त विशेष तौर पर दिखी, जब यूक्रेन से रूस समर्थक सरकार की विदाई हुई और एक 'स्वतंत्र सरकार' का गठन हुआ। इसके बाद ही व्लादिमीर पुतिन ने एक लाल रेखा खींची और स्पष्ट कहा कि रूस कभी भी यूक्रेन को न नाटो और न यूरोपीय संघ में शामिल होते देख सकता है। फिर भी, यूक्रेन के नेतृत्व और पश्चिम के बड़े देशों

से ये आवाजें उठने लगीं कि यूक्रेन एक संप्रभुता संपन्न देश है और अपनी सामरिक सुरक्षा के लिए वह हर कदम स्वेच्छापूर्वक उठा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि रूस को युद्ध के लिए उकसाया गया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में वीटो का अधिकार रखने वाले किसी स्थायी सदस्य द्वारा युद्ध की शुरुआत करना किसी भी सूरत में वाजिब नहीं था। विश्व में शांति व सुरक्षा कायम रखना ही सुरक्षा परिषद् का पहला कर्तव्य है, जबकि रूस ने खुद दुनिया की शांति में सेंध लगा दी।

बहरहाल, पिछले दो वर्षों की इस जंग में रूस का यूक्रेन पर दबाव बनाने का मकसद पूरा नहीं हो सका है। हां, रूस से सटे यूक्रेन के पूर्वी हिस्से और दक्षिण के कुछ इलाकों में उसने खुद को मजबूत जरूर बना लिया है। पिछले साल यूक्रेन ने बहुत जोर-शोर से पलटवार करना शुरू किया था, लेकिन उसे कोई खास सफलता नहीं मिल सकी है। अब तो यूक्रेनी फौज का मनोबल भी कुछ ढीला पड़ता दिखने लगा है। यह माना जाने लगा है कि दोनों देशों के बीच में जो नई सीमा बन गई है, उसमें अब शायद ही कोई बदलाव हो सकता है, जब तक कि कुछ अप्रत्याशित घटना नहीं हो जाती। नाटो और यूरोपीय संघ के सदस्य देश बेशक रूस को वापस लौट जाने की सार्वजनिक मांग कर रहे हैं और मॉस्को से भिड़ने के लिए कीव को आर्थिक व सैन्य मदद दे रहे हैं, लेकिन खुद अमेरिका की स्थिति बिगड़ती दिख रही है। वहां मौजूदा बाइडन सरकार का रुख यूक्रेन के प्रति जरूर नरम है, लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की इच्छाशक्ति वहां की संसद में जाहिर होने लगी है। इस साल वहां चुनाव भी होने वाले हैं, और लगता यही है कि जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप ही आमने-सामने होंगे। यदि कानूनी रूप से ट्रंप चुनाव प्रक्रिया से बाहर नहीं हुए, तो मुमकिन है कि वह फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति बनेंगे और उनकी यूक्रेन के प्रति उदासीनता जगजाहिर है।

इस युद्ध के शुरू होने से पूरी दुनिया में ऊर्जा और खाद्यान्न की स्थिति पर बुरा असर पड़ा, लेकिन पिछले साल के अंतिम महीनों में ऐसी व्यवस्था कर ली गई, जिससे वैश्विक स्थिति संभल गई। इसका एक और बड़ा असर यह हुआ कि रूस पर अमेरिकी और यूरोपीय प्रतिबंधों के कारण मॉस्को व बीजिंग में नजदीकी बढ़ गई। हालांकि, इस दोस्ती का चीन ने फायदा तो उठाया, लेकिन रूस की सहायता करते हुए भी उसने पश्चिम द्वारा खींची गई लाल रेखा का उल्लंघन नहीं किया।

यह जंग हमारे लिए भी एक बड़ी चुनौती बनकर आई थी। हालांकि, मोदी सरकार ने सबसे पहले यूक्रेन से अपने नागरिकों, खासकर वहां पढ़ रहे छात्रों को बाहर निकालकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके बाद, अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद उसने रूस से न सिर्फ अपने ऊर्जा संबंध बनाए रखे, बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। इतना ही नहीं, रूस के साथ अपने सामरिक व रक्षा संबंध को भी हमारी सरकार ने कमजोर नहीं होने दिया। इसका हमें लाभ मिला है। इस दूरदर्शिता के कारण भारत सरकार ने रक्षा-आपूर्ति के अन्य स्रोतों को ढूंढ़ने की प्रक्रिया भी तेज कर दी है, जिसके प्रयास काफी पहले से किए जा रहे थे।

अभी तो इस जंग का कोई छोर नहीं दिख रहा है। रूस कब्जा जमाए यूक्रेन के कुछ हिस्सों को वापस लौटाने के लिए तैयार नहीं है। इस तरह यहां 'फ्रोजन क्फ्लिलक्ट' जैसी परिस्थिति बन गई है, यानी आने वाले दिनों में बेशक यहां गोलियां चलनी बंद हो जाएं, लेकिन तनातनी बदस्तूर कायम रहेगी। इन सबसे यूरोप और पूरी दुनिया की सामरिक व आर्थिक परिस्थितियों पर स्वाभाविक ही प्रभाव पड़ रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फिर विचार की जरूरत

श्वेता सैनी, कृषि अर्थशास्त्री

अपने करियर की शुरुआत में पंजाब के एक किसान से मैंने पूछा था कि भू-जल स्तर जब लगातार नीचे जा रहा है, तब आप धान क्यों बोते हैं? जवाब मिला था, 'आप जो चाहेंगे, मैं वही बोऊंगा, आप बस मुझे खरीद का उचित आश्वासन दीजिए।' उसी वर्ष हरियाणा में मैंने एक पोल्ट्री किसान और उससे सामान खरीदने वाले व्यापारी से पूछा था कि सरकारी नीतियों ने उनके सहयोग को कैसे सुविधाजनक बनाया है? जवाब मिला कि सरकार ने एक ही काम सही किया कि वह इस सबसे बाहर रही!

राष्ट्रीय राजधानी में किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में काम कर रहे दो बिंदुओं को यहां रेखांकित किया जा सकता है: पहला, कृषि में सरकार की हर जगह जरूरत नहीं है और दूसरा, सुनिश्चित आय समय के साथ किसानों की जोखिम उठाने की क्षमता को घटा देती है। फसल विविधीकरण को लेकर पंजाब के किसानों की जड़ता जगजाहिर है। वे न्यूनतम समर्थन मूल्य से लाभान्वित होते हैं, पर बाजार में मौजूद अवसरों से चूक जाते हैं। पिछले साल ही, अधिकांश चावल उत्पादक राज्यों में गैर-बासमती की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक हो गईं, पर पंजाब, हरियाणा में किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर डटे रहे, जिससे उनका फायदा सिमट गया।

यहां राजनीति का सवाल भी बड़ा है। पंजाब में मिलने वाली मुफ्त बिजली नीति से भी उत्पादन लागत घट जाती है, जिससे धान के रकबे को भी बढ़ावा मिलता है। मुफ्त बिजली नीति को छूने की किसी भी राजनीतिक पार्टी ने हिम्मत नहीं दिखाई है। किसानों ने विविधता संबंधी प्रस्ताव भी ठुकरा दिया है।

यहां एक मिसाल है, गन्ना लाभकारी मूल्य कानून, जिसके तहत चीनी मिलें किसानों को भुगतान करती हैं, सरकार नहीं। ऐसी किसी व्यवस्था को व्यापक बनाने पर कोई विमर्श नहीं है, इसके

बजाय आंदोलनकारी किसान 22 फसलों के लिए समान कानूनी समर्थन मांग रहे हैं!

एक अन्य मांग एमएसपी की गणना के लिए एमएस स्वामीनाथन फार्मूले को लागू करने की है, जिसके मुताबिक, किसानों को खेती की व्यापक लागत (सी2) से 50 प्रतिशत अधिक मिलना चाहिए। यहां एमएसपी की गारंटी से मांग और आपूर्ति संबंधी बाजार सिद्धांत विफल हो जाता है। एमएसपी में अतार्किक वृद्धि निर्यात को महंगा कर देती है। उदाहरण के लिए, सोयाबीन के उच्च एमएसपी ने हमें सोयामील निर्यात से वंचित कर दिया है। यदि हम इतनी ऊंची एमएसपी तय करते हैं, तो अव्यावहारिक कीमतों के लिए तैयार रहना होगा। फसल के ऊंचे समर्थन मूल्य से ऊंची कीमतें पैदा होंगी।

यह भी ध्यान रहे, 86 प्रतिशत भारतीय किसान छोटे और सीमांत श्रेणी के हैं और कृषि वस्तुओं के स्वयं उपभोक्ता हैं, इन्हें कितनी महंगाई मंजूर होगी? वास्तव में, उपभोक्ताओं और किसानों, दोनों की चिंताओं को संतुलित करना होगा, पर क्या किसानों की आय में सुधार के लिए गारंटीशुदा एमएसपी सही उपाय है?

अनुपात से ज्यादा एमएसपी अव्यावहारिक है। निजी क्षेत्र को दबाने और निर्यात बाजारों को खतरे में डालने के बजाय हमें लचीले, संपन्न बाजारों को अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। सरकारें बाजारों की जगह नहीं ले सकती हैं, उन्हें बाजार में अनुकूल माहौल को बढ़ावा देना होगा, ताकि किसानों के लिए लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

उपभोक्ता और उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए देश को चावल और गेहूं के मुकाबले तिलहन, मोटे अनाज, मक्का और दालों जैसी फसलों को प्राथमिकता देते हुए अपने अनाज भंडार को व्यवस्थित करना होगा। इन फसलों के लिए एमएसपी वृद्धि जरूरी है, जो तिलहन और दलहन के बढ़ते आयात को देखते हुए भी महत्वपूर्ण हो गया है।

व्यापारियों को सभी फसलों के लिए एमएसपी का भुगतान करने के लिए बाध्य करने का प्रयास महाराष्ट्र में 2018 में अप्रभावी साबित हुआ। हां, बाजार में ऐसे लोगों को नियंत्रित करना जरूरी है, जो कीमतों को अपने लाभ के लिए नीचे या ऊपर ले जाते हैं, जबकि उन्हें चिंता उत्पादकों की करनी चाहिए। कई उत्पाद हैं, जो एमएसपी की वजह से भारत में महंगे हैं, पर जिनका सस्ते में आयात हो रहा है, इसलिए किसानों और उपभोक्ताओं के अनुकूल व्यापार नीतियां महत्वपूर्ण हैं। नीति निर्माताओं को समर्थन मूल्य की रूपरेखा पर पुनर्विचार करना चाहिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

एंटीबायोटिक नियमन से बढ़ेगी जीवाणु प्रतिरोधक क्षमता

राकेश कोछड़

केंद्र सरकार ने हाल ही में मेडिकल कॉलजों को हिदायत दी है कि डॉक्टर रोगी-परामर्श पर्चे पर जो दवाएं लिखकर दें, उनमें यदि कोई एंटीबायोटिक्स है तो उसको विशेष रूप से चिन्हित करें। वहीं दवा विक्रेताओं और दवाघरों को सलाह दी है कि चिकित्सक के लिखे बगैर कोई एंटीबायोटिक दवा न दी जाए। यह निर्देश देश में एंटी माइक्रोबियल रेज़िस्टेंस (एएमआर) बढ़ने के मद्देनजर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में एएमआर की रफ्तार असामान्य है और अब यह विश्वभर में एएमआर का गढ़ बन चुका है।

नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) द्वारा 20 अस्पतालों में नवम्बर, 2021 से अप्रैल, 2022 के बीच करवाए अध्ययन में चिंताजनक आंकड़े मिले हैं। कुल 9600 से अधिक रोगियों पर अध्ययन हुआ, इनमें 72 फीसदी एक न एक एंटीबायोटिक दवा का सेवन कर रहे थे, तो बाकी के दो या इससे अधिक का। महत्वपूर्ण यह कि 55 प्रतिशत मरीजों को एंटीबायोटिक दवा बीमारी का इलाज करने के लिए नहीं अपितु संक्रमण से बचाने के लिए दी गई। यह डाटा देशभर में इलाज के मौजूदा चलन का नमूना पेश करता है। खांसी, जुकाम, गला पकड़ना और दस्त जैसी बीमारी कुछ दिनों में अपने-आप ठीक हो जाती है और अधिकांशत: इसके पीछे कारण होता है वायरल इंफेक्शन, इनके निदान को एंटीबायोटिक देने की जरूरत नहीं।

प्रयागराज (2013) और नासिक (2015) के कुम्भ के दौरान, मेला-क्लीनिक पहुंचने वाले 70000 से अधिक मरीजों पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिसेफ ने अध्ययन किया था। प्राप्त डाटा में, इलाज करवाने आए लोगों में लगभग एक-तिहाई को एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं। प्रयागराज में कुल मरीजों में 70 फीसदी को सांस संबंधी लक्षण थे, जिनका इलाज एंटीबायोटिक से किया गया।

एएमआर गंभीरतम? वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि एएमआर-माइक्रोआर्गेनिज्म के तंतुओं में होने वाला वह क्रमिक विकासानुगत बदलाव, जिस पर परंपरागत एंटीबायोटिक बेअसर सिद्ध हो रहे हैं- एक वैश्विक जनस्वास्थ्य खतरा बन सकता है। रोग-जीवाणुओं में पैदा हुई इस किस्म की प्रतिरोधक क्षमता से वर्ष 2019 में भारत में कम से कम 3 लाख तो दुनियाभर में लगभग 12.7 लाख मौतें हुई। वर्ष 2050 तक यह संख्या 5 करोड़ तक पहुंचने की

आशंका है। आवाजाही के साधनों में आसानी की वजह से सारी दुनिया सिमटकर रह गई है, लेकिन लोगों के साथ, उनके अंदर मौजूद सूक्ष्म रोग जीवाणु, जिन पर दवाएं असर न कर पा रही, वे भी एक महाद्वीप से दूसरे तक तेजी से फैल रही हैं, जैसा कि कोविड-19 महामारी के मामले में देखा गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक दवाओं को तीन श्रेणियों में बांट रखा है, एक्सेस, वॉच और रिज़र्व। इनमें बाद वाले दो वर्ग के एंटीबायोटिक विशिष्ट लक्षण बनने पर ही दिए जाते हैं। एक्सेस वर्ग के एंटीबायोटिक, किन्हीं जीवाणुओं को विशेष रूप से निशाना बनाने वाले सम्मिश्रण से बने हैं और इनके प्रयोग से एएमआर बनने की संभावना कम होती है, रोगोपचार में यह प्रथम पंक्ति के एंटीबायोटिक हैं। एनसीडीसी सर्वे बताता है कि भारत में डॉक्टरों द्वारा लिखी गई 60 फीसदी एंटीबायोटिक दवाएं वॉच या फिर रिजर्व श्रेणी की होती हैं। एंटीबायोटिक अधिक देने से जीवाणुओं के अंदर प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है। इससे संक्रमण के अगले रूपांतरों पर दवाएं बेअसर हो जाएंगी। ड्रग एंड कॉस्मैटिक रूल्स 1945 के मुताबिक एंटीबायोटिक शिड्यूल एच/एच 1 श्रेणी में आते हैं। अतएव इनकी बिक्री केवल पंजीकृत स्वास्थ्य चिकित्सक की रोग-परामर्श पर्ची के आधार पर हो सकती है। तथापि भारत में दवा विक्रेता अक्सर अपने तौर पर एंटीबायोटिक दवाएं दे देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2015 में एक वैश्विक कार्य योजना बनाई थी और भारत ने 2017 में एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम के साथ इसका अनुसरण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हिदायतें हैं कि उच्चतर श्रेणी के एंटीबायोटिक का प्रयोग संक्रमण रोग विशेषज्ञों के विवेकानुसार होना चाहिए। लेकिन भारत में इस किस्म के प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाकर्मी बहुत कम हैं।

एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल से एएमआर बनने का जोखिम केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है। विभिन्न कारणों से पशुओं-पक्षियों को भी एंटीबायोटिक अक्सर दिए जाते हैं। इसलिए कोई हैरानी नहीं कि दूध, अंडे और मछली के बैक्टीरियल कल्चर टेस्ट में दवा-प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर चुके जीवाणु पाए जाते हैं। विभिन्न जल स्रोतों के सैम्पल में भी यही कुछ हो रहा है, वहां ऐसे जीवाणुओं की आमद दवा-उद्योग, अस्पताल से निकलने वाले पानी, सीवरेज और घरेलू अपशिष्ट से होती है। खुले में शौच एक अन्य कारक है, क्योंकि मल-मूत्र के जरिए शरीर से निकली एंटीबायोटेक दवा भूमि में समाकर भूजल में जा मिलती है। इस संदूषित जल को मनुष्य और पशु पुन: पीते हैं। और इस तरह एंटीबायोटिक से अप्रभावित रहने वाला जीवाणु जोखिम का एक सतत चक्र बना रहा है।

हालांकि जिन अस्पतालों में एंटीबायोटिक को लेकर अध्ययन हुआ, पाया गया कि एंटीबायोटिक के उपयोग में कमी आई है, किंतु छोटे और ग्रामीण इलाके में स्थिति बदतर है। प्रशिक्षित कर्मियों और गुणवत्तापूर्ण परीक्षणशालाओं की कमी है। झोला-छाप और अर्ध-प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी इस काम में सबसे आगे हैं। इतना ही नहीं गैर-एलोपैथिक चिकित्सक भी एंटीबायोटिक दवाएं लिख दे रहे हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

गरियाबंद पुलिस ने कम्युनिटिंग पुलिसिंग के तहत ग्राम जिडार मे ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के साथ रूबरू हुए

गरियाबंद। जिला उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक डी.सी.पटेल,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल आपरेशन अशोक वाडेगांवकर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मैनपुर बाजी लाल सिंह के मार्गदर्शन में मैनपुर के ग्राम जिडार में महिला संबंधी अपराधों में प्रतिबंध लगाने एवं नया सवेरा के अन्तर्गत नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जन जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत जिड़ार के सरपंच इलेश्वरी नागेश,उपसरपंच नरेन्द्र सिन्हा,संतीची संगत,तारा भूराम,दिनेखरी संपदा,गुणेशिया नागेश, बिहारी सिन्हा,राजकुमारी सिन्हा ग्रामवासी अध्यक्ष सामसभा टिकमसिंह श्रावास (भाजपा) मण्डल अध्यक्ष - दुलार सिन्हा न्यायसमिती अध्यक्ष सुन्दर सिंह कपिल, जय सिंग कपिल,गौतम सिन्हा,असंत जगत,रोहणी यादव कोरवार मितानिन प्रशिक्षक मालती देवी कपिल मितानिन गण पुनई भात स तारा मरकाम सुरुबती,विमला छलमी नेगी,घुरजबाई कपिल,कपिल,हेमबाई के साथ अन्य सम्मानीय नागरिक उपास्थित रहे।

कमजोर जनजाति समूह का बनाया जा रहा है निःशुल्क आयुष्मान कार्ड

गरियाबंद। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ देने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार एंव राज्य सरकार के द्वारा गरियाबंद जिलें अंतर्गत प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (जनमन) अंतर्गत छूटे हुए जनजाति समूह का विशेष शिविर एवं घर-घर जाकर नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के.सी.उरांव ने बताया कि जिले में कुल पीव्हीटीजी की जनसंख्या लगभग 17 हजार 268 है जिसमें से अभी तक 14748 हितग्राहियो का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। इससे हितग्राही आपातकालीन एवं आवश्यकता के आधार पर पंजीकृत शासकीय अथवा निजी चिकित्सालय में भर्ती होकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।

शालाओं और प्रशासन के मध्य ओपन लिंक्स फाउंडेशन का हुआ करार

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन स्कूलों के शिक्षकों और अधिकारियों के माध्य बेहतर समन्वय के उद्देश्य से दंतेवाड़ा जिला प्रशासन और ओपन लिंक्स फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस संबंध में शिक्षा में नवाचार लाने, शिक्षकों के कार्य को सुविधाजनक बनाने, शैक्षिक कार्यों तथा शिक्षकों की नई गतिविधियों को साझा करने और शिक्षकों को शैक्षिक सहायता प्राप्त करने के लिए ''विनोबा ऐप'' सक्रिय किया गया है। इसके अंतर्गत शिक्षकों के काम को सरल बनाकर और उनका समय बचाकर सीखने के परिणामों में बड़े पैमाने पर सुधार एवं लक्ष्य हासिल किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षकों को अपने स्कूलों की सर्वोत्तम गतिविधियों को एक-दूसरे के साथ साझा करने के लिए मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नियमित रूप से ब्लॉक एवं जिला स्तर पर शिक्षकों द्वारा किये गये अच्छे कार्यों की सराहना कर उन्हें सम्मानित करने में सहायक होगी और इस पहल से जिला प्रशासन को निपुण भारत,नवजतन और उत्कृष्ट 10वीं और उत्कृष्ट 12वीं जैसे प्रमुख शिक्षण कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने में मदद होगी।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम के विभागों के लिए 59702 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान मांगे पारित

आदिम जाति कल्याण मंत्री ने पथरिया और मुंगेली में छात्रावास खोलने की घोषणा की, तखतपुर में खुलेगा उद्यानिकी महाविद्यालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के विभागों से संबंधित 59702 करोड़ 28 लाख 57 हजार रुपए की अनुदान मांगें छत्तीसगढ़ विधानसभा में चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित कर दी गई। इनमें अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता के लिए 214 करोड़ 35 लाख 5 हजार रूपए, आदिम जाति कल्याण के लिए 7292 करोड़ 8 लाख 76 हजार रुपए, अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए 31,724 करोड़ 95 लाख 39 हजार रुपए, अनुसूचित जनजाति उपयोजना से संबंधित लोक निर्माण कार्य (सड़कें और पुल) के लिए 1516 करोड़ 65 लाख 2 हजार रुपए, अनुसूचित जाति कल्याण के लिए 2 करोड़ 85 लाख 90 हजार रूपए, अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत नगरीय निकायों को वित्तीय सहायता के लिए 130 करोड़ 79 लाख 39 हजार रुपए, अनुसूचित जाति उपयोजना के लिए 10,206 करोड़ 73 लाख 23 हजार रुपए, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास के लिए 305 करोड़ 91 लाख 32 हजार रुपए, अनुसूचित जनजाति उपयोजना से संबंधित लोक निर्माण कार्य (भवन) के लिए 287 करोड़ 97 लाख 9 हजार रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता

के लिए 453 करोड़ 41 लाख 24 हजार रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत नगरीय निकायों को वित्तीय सहायता के लिए 165 करोड़ 93 लाख 63 हजार रूपए, कृषि विभाग के लिए 6980 करोड़ 47 लाख 55 हजार रूपए तथा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा से संबंधित व्यय के लिए 420 करोड़ 15 लाख 20 हजार रूपए की राशि शामिल है। सदन में चर्चा के दौरान सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की मांग रखा और सुझाव

कृषि एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार कृषि और किसानों के कल्याण के लिए लगातार बेहतर करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने किसानों को 2 वर्षों के बकाया बोनस की राशि का भुगतान शपथ लेने के दो सप्ताह के भीतर ही किया है। हम 3100 रूपए की दर से प्रति एकड़ किसानों से 21 क्विंटल धान खरीद रहे हैं। बहुत ही कम समय में हमारी सरकार ने किसानों के लिए बड़ा काम किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य को आगे बढ़ाने के लिए उद्योगों के साथ ही कृषि क्षेत्र का भी विकास जरूरी है।

छत्तीसगढ़ में अच्छी जमीन, पानी और कृषि के अनुकूल जलवायु है। इस क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए हमें प्रसंस्करण के क्षेत्र में जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन में छत्तीसगढ़ के 24 जिले शामिल हैं। इसके अंतर्गत अधिसूचित क्षेत्रों में कोल्ड स्टोरेज की स्थापना के लिए 2 करोड़ रूपए तक की सहायता दी जाती है। सरगुजा क्षेत्र में शक्कर कारखाना की स्थापना से वहां के किसानों की आय बढ़ी है।

कृषि के साथ ही उद्यानिकी फसलों का विस्तार भी जरूरी है। श्री नेताम ने कहा कि हमने अगले वर्ष के बजट में प्याज, मसाला, फूल और चाय की खेती का रकबा बढ़ाने का प्रावधान रखा है। हम जशपुर से सामरी तक 5585 एकड़ में चाय बगानों का विस्तार करेंगे। हमने कटहल के प्रसंस्करण के लिए भी बजट प्रावधान रखा है।

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास मंत्री नेताम ने बताया कि वर्ष 2024-25 के बजट में आबादी के अनुसार विभिन्न वर्गों के लिए पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया है। हमने अनुसूचित जनजाति उपयोजना की राशि में करीब 31 प्रतिशत और अनुसूचित जाति उपयोजना की राशि में 28 प्रतिशत की वृद्धि की है। विभागीय अनुदान मांगों की चर्चा का उत्तर देते हुए उन्होंने सदन में पथरिया में पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, मुंगेली में अनुसूचित जाति छात्रावास और तखतपुर में उद्यानिकी महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। उन्होंने ऐसे सभी जिला और विकासखण्ड मुख्यालय जहां पोस्ट मैट्रिक छात्रावास नहीं है, वहां पोस्ट मैट्रिक छात्रावास खोलने की घोषणा की। उन्होंने ऐसे जिला मुख्यालय जहां महाविद्यालय हैं, वहां कन्या छात्रावास खोलने की भी घोषणा की। श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश के आश्रम-छात्रावासों, प्रयास स्कूलों और एकलव्य संस्थानों में सुविधाएं विकसित कर उन्हें देश में मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने आश्रमों और छात्रावासों का उन्नयन कर सीटों की संख्या बढ़ाने की बात कही। श्री नेताम ने भवनविहीन आश्रमों और छात्रावासों के नए भवन प्राथमिकता के साथ बनाने की बात भी कही।

श्री नेताम ने विशेष पिछड़ी जनजातियों और उनकी बसाहटों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल से राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों तक बुनियादी सुविधाएं, बेहतर अधोसंरचना और जनसुविधाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के बजट में राज्य में पीवीटीजी बसाहटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए 300 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

सामुदायिक भागीदारी के लिए इच्छुक नागरिक स्कूली बच्चों के दे सकते हैं न्योता भोजन

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत अब हर स्कूल में बच्चे करेंगे न्योता भोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को दिए जाने वाले गर्म भोजन को सामुदायिक भागीदारी की बदौलत और अधिक पोषक बनाने की अभिनव पहल की गई है। शाला अवधि में विद्यार्थियों को भोजन प्रदाय करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना गाईडलाइन में सामुदायिक आधार पर तिथि भोजन के प्रावधान के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में इसे 'न्योता भोजन' के नाम से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है। न्योता भोजन की अवधारणा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को

पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं अथवा अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकेंगे। न्योता भोजन, स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक होगा।

यह विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों/त्यौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते हैं। यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज आदि के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। ध्यान रहे न्योता भोजन शाला में दिये जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं है, बल्कि यह केवल शाला में प्रदान किये जाने वाले भोजन का पूरक है।

प्रदान की जाने वाली सामग्री में शाला के लिये पूर्ण भोजन, कक्षा विशेष के लिये पूर्ण भोजन अथवा अतिरिक्त पोषण आहार हो सकता है। इसके अतिरिक्त पूर्ण या अतिरिक्त पोषण हेतु सामग्री प्रदान की जा सकती है जिसे शाला के रसोईयों के द्वारा बनाकर बच्चों को परोसा जा सकता है। दान-दाताओं द्वारा प्रदान किया जाने वाला खाद्य पदार्थ अथवा सामग्री उस क्षेत्र के खान-पान की आदत (फुड हैबिट) के अनुसार होनी चाहिए। पूर्ण भोजन की स्थिति में नियमित रूप से दिये जाने वाले भोजन के समान बच्चों को दाल, सब्जी और चावल सभी दिया जाना है। फल, दूध, मिठाई, बिस्किट्स, हलवा, चिक्की, अंकुरित खाद्य पदार्थ जैसे सामग्री, जो बच्चों को पसंद हो का चुनाव अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। पौष्टिक एवं स्वादिष्ट मौसमी फलों का चयन भी पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। मौसमी फल अपेक्षाकृत सस्ते एवं पौष्टिक होते है। शाला में बच्चों से पूछकर भी ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची तैयार की जानी चाहिये जो बच्चे 'न्योता भोजन' में खाना चाहते हो।

कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के द्वारा सरसों फसल प्रदर्शन का किया गया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार डॉ.एके.वर्मा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद के वैज्ञानिकों के द्वारा तिलहन फसल उत्पादन को बढ़ावा हेतु राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा मिशन के अंतर्गत सरसों फसल का समूह अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन विकासखंड छुरा के ग्राम आसरा एवं बोडराबांधा के कृषकों के प्रक्षेत्र में किया गया। उक्त ग्राम के कृषकों के द्वारा प्रथम बार सरसों फसल की खेती ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर किया गया। निदेशक विस्तार सेवाएं के द्वारा गठित सी.एफएल.डी. मॉनिटरिंग टीम का भ्रमण 20 फरवरी 2024 को डॉ.के.एल.नन्देहा की अध्यक्षता एवं डॉ.वी.के.सोनी,डॉ.अभिनव साव,विनोद नायक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.मनीष चौरसिया,सरसों फसल प्रदर्शन प्रभारी मृदा वैज्ञानिक मनीष कुमार आर्या,कृषि वैज्ञानिक इंजि.प्रवीण कुमार जामरे तथा तुषार मिश्रा के द्वारा ग्राम आसरा व बोडराबांधा के कृषकों के प्रक्षेत्र में लगे हुये समूह अग्रीम पंक्ति सरसों फसल प्रदर्शन का अवलोकन व निरीक्षण किया गया।

वैज्ञानिकों के द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र में लगे हुये सरसों फसल प्रदर्शन (किस्म-गिरीराज) का अवलोकन किया गया एवं सरसों फसल से संबंधित कृषि कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान करते हुये कृषकों को तिलहन उत्पादन को बढ़ावा हेतु तिलहन खेती को प्रोत्साहित किया गया। भ्रमण के दौरान कृषकों को उन्नत किस्म,समय पर बीज बुवाई,फसल चक्र (अनाज के बाद दलहन व तिलहन फसलों) को शामिल करने एवं उचित मात्रा में पोषकतत्व प्रबंधन व सिंचाई प्रबंधन की जानकारी दी गई।कृषक परिचर्चा के दौरान कृषकों को फसल उत्पादन एवं कीट व्याधी से संबंधित प्रश्नों का निदान तकनीकी मार्गदर्शन करते हुये किया गया। संतोष पटेल, कुमार पटेल,दुर्योधन साहू, वेदराम साहू,चोवालाल साहू, प्रकाश, बलदाऊ एवं अन्य कृषक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे के बाद डेंटल स्टूडेंट को मिला नया जीवन, पेट से निकाला 9 लीटर खून

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक मामूली रोड एक्सीडेंट इतना भयानक हो सकता है, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। डेंटल कालेज का छात्र अभिषेक सड़क हादसे में घायल हो गया। अंदरूनी चोट से शरीर का लगभग पूरा खून बहकर पेट में इकट्ठा हो गया। मरीज का दिल भी बैठने लगा था। बिना कोई वक्त गंवाए उसकी धड़कनों को लौटाने की कोशिश करते हुए उसी अवस्था में उसे ओटी में लिया गया। सर्जरी सफल रही और सात दिन बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डॉ नवील शर्मा ने बताया कि छात्र को दोपहर को अस्पताल

लाया गया था। उसके शरीर का पूरा खून निचुड़ चुका था। दिल की धड़कन भी रुकने लगी थी। हाईटेक की पूरी टीम तत्काल छात्र के प्राण बचाने में जुट गई। सबसे पहले जरूरी था भीतर हो रहे रस्तस्राव को रोकना और तब तक लगातार रक्त चढ़ाते रहना और धड़कनों को बचाए रखना। दरअसल, चोट इतनी गहरी थी कि उसकी तिल्ली फट चुकी थी। लगभग दो घंटे चली सर्जरी के बाद कहीं जाकर छात्र की स्थिति काबू में आई। रक्तस्राव बंद होने के बाद छात्र की स्थिति में सुधार होने लगा और जब उसे ओटी से बाहर लाया गया तो उसका बीपी सामान्य के करीब आ चुका था।

हाइटेक की पूरी ट्रॉमा टीम ने इस छात्र को बचाने में बड़ी भूमिका निभाई। जिसमें सर्जन डॉ नवील शर्मा के साथ के साथ इंटेन्सिविस्ट डॉ श्रीनाथ, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ आकाश बख्शी, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ नरेश देशमुख, एवं सीनियर नर्सों की पूरी टीम शामिल हैं। सर्जरी के दौरान छात्र को 12 यूनिट रक्त चढ़ाना पड़ा, साथ ही लगभग 15 यूनिट प्लाज्मा और इसी अनुपात में प्लेटेलेट्स चढ़ाने पड़े। उसके पेट से लगभग 9 लीटर खून निकाला गया। इसके बाद युवक ने तेजी से स्वास्थ्य लाभ किया और सातवें दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

कलेक्टर ने किया गुरूर में तहसील एवं उप पंजीयक कार्यालय का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज गुरूर में तहसील कार्यालय एवं उप पंजीयक कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान चन्द्रवाल ने मौके पर उपस्थित तहसीलदार हनुमंत श्याम से लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली तथा निर्धारित समयावधि में लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में समय-सीमा के बाहर राजस्व प्रकरण लंबित न रहे। चन्द्रवाल ने तहसीलदार से राजस्व प्रकरणों के निराकरण की कुल प्रतिशत के संबंध में भी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय के कानूनगो, निर्वाचन, स्थापना, आवक-जावक शाखा एवं राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने राजस्व अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एव नायब तहसीलदार के न्यायालय का भी निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को आवश्यक जानकारी ली। कलेक्टर चन्द्रवाल ने उप पंजीयक कार्यालय गुरूर का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित उप पंजीयक रश्मि सोनी से नया सॉफ्टवेयर राष्ट्रीय जेनेरिक पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से पंजीयन के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उप पंजीयक से 12 फरवरी से प्रारंभ किए नया सॉफ्टवेयर से पंजीयन के दौरान आने वाली तकनीकी समस्या के संबंध में भी जानकारी ली।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की घोषणाः एम्स की तर्ज पर प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालय में बनेंगे सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों से संबंधित 6206 करोड़ 51 लाख 52 हजार रुपए की अनुदान मांगें आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित कर दी गई। इनमें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 4,413 करोड़ 16 लाख 5 हजार रुपए, चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 1,788 करोड़ 86 लाख 12 हजार रुपए तथा बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग के लिए 4 करोड़ 49 लाख 35 हजार रुपए की राशि शामिल है। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सदन में कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के बजट में एम्स की तर्ज पर सभी संभागीय मुख्यालयों में सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल खोलने का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रदेश में त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ड्रोन सेवा के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा सेवा जैसे रोबोट टेक्नोलॉजी व रोबोट डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थान चिन्हांकित कर ट्रामा सेंटर खोलने की भी घोषणा की। इसके साथ ही राज्य के दूरस्थ अंचलों के 6 जिला अस्पतालों गरियाबंद, कवर्धा, मुंगेली, रायगढ़, बैकुण्ठपुर और नारायणपुर को आदर्श जिला अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 20 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है। इस राशि से इन अस्पतालों में आवश्यकतानुसार मशीनें, अधोसंरचना तथा मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गरीब-मजदूर सहित जरूरतमंद मरीजों के इलाज हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने सब की चिंता की है। इसके लिए शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत गरीबों को 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने सदन में बताया कि दूर-दराज के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पैथोलॉजी जांच की सुविधा उपलब्ध कराने नए बजट में 393 लैब टेक्निशियन के नवीन पदों का सृजन किया गया है। साथ ही दूरस्थ अंचलों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु 57 नए मोबाइल मेडिकल यूनिट का भी इस बजट में प्रावधान किया गया है।

पांच नए जिलों में सीएचएमओ सहित 165 नए पद

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अनुदान मांगों पर हुई चर्चा पर जवाब देते हुए कहा कि निरोगी होना परम भाग्य है और अच्छे स्वास्थ्य से अन्य सभी कार्य सिद्ध होते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। उन्होंने सदन में बताया कि हमने वर्ष 2024-25 के बजट में राज्य के 5 नये जिलों सक्ती, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सारगंढ-बिलाईगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के लिए 165 नए पदों का प्रावधान किया है। मनेन्द्रगढ़ एवं कुनकुरी में 220 बिस्तर अस्पताल खोलने के साथ ही इनके भवन निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खड़गवां का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन, बिलासपुर उच्च न्यायालय के आवासीय परिसर में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने तथा कुरूद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का 50 बिस्तर से 100 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन का प्रावधान आगामी वर्ष के बजट में रखा गया है।

18 नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का प्रावधान

स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में बताया कि वर्ष 2024-25 के बजट में 18 नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का प्रावधान किया गया है। ये नए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ग्राम गोडखाम्ही अखरार, डिडोरी (ची) जिला मुंगेली, गोलावण्ड जिला कोण्डागाव, नगर निगम चिरमिरी अन्तर्गत कोरिया कालरी, ग्राम सेवारी जिला बलरामपुर, ग्राम पोडागुडा एवं चितापुर जिला बस्तर, ग्राम मुरमा, जिला बैकुण्ठपुर ग्राम पंचायत करदेगा, ग्राम पेटामारा (अंकिरा), ग्राम गन्झियाडीह, ग्राम केराडीह एवं सिरिमकेला जिला जशपुर तथा रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा एवं जगदलपुर एयरपोर्ट में खोले जाएंगे। लकवा और वातरोग के पीड़ितों तथा नशामुक्ति के लिए लोगों को उनके रहवास के समीप फिजियोथेरेपी, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति की काउंसलिंग व योग परामर्श प्रदान करने के लिए सभी शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों में फिजियोथेरेपिस्ट, योग शिक्षा एव नशा मुक्ति परामर्शदाता की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने जगदलपुर, चिरमिरी और रायपुर में मानसिक चिकित्सालय खोलने की बात भी कही।

95 अस्पतालों को एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त करने का लक्ष्य

मंत्री जायसवाल ने सदन में बताया कि प्रदेश के 123 अस्पताल राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्राप्त हैं। भारत सरकार द्वारा सभी राज्य सरकारों को चिकित्सालयों को एनक्यूएएस के मापदण्डों के अनुरूप सुविधाओं से युक्त कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के निर्देश जारी किये गये हैं। इस बजट में हमने 12 जिला अस्पतालों एवं 95 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मानकों के अनुरूप सुविधायें उपलब्ध कराकर एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए बजट में 12 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अन्य चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ आयुष पद्धतियों का भी राज्य में निरंतर विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 हेतु कुल राशि रुपए 442.68 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। वर्ष 2024-25 के बजट में औषधि हेतु 23.26 करोड़ रुपए और चिकित्सकीय उपकरण हेतु 3.92 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। वर्ष 2024-25 में 7 आयुर्वेद चिकित्सालय, 12 आयुष पॉलीक्लीनिक एवं 692 आयुष औषधालयों का जनभागीदारी के माध्यम से उन्नयन एवं सुविधाएं प्रदाय किये जाने हेतु राशि रुपए 2.12 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने सदन में बताया कि अम्बिकापुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की भांति छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (सिम्स) सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सालय की स्थापना हेतु चिकित्सकीय उपकरण क्रय करने 10 करोड़ रुपए तथा भवन निर्माण हेतु 40 करोड़ रुपए, इस प्रकार कुल 50 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है। बिलासपुर चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय को नवीन स्थल में स्थानांतरित करने की मांग काफी समय से की जा रही थी जिसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर के लिए 700 करोड़ रुपए की लागत से कोनी में नवीन भवन निर्माण किया जाना है। इस हेतु भवन निर्माण कार्य हेतु 10 करोड़ रुपए बजट प्रावधान है। रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के 650 बिस्तरों से 1200 बिस्तरों के अस्पताल के रूप में उन्नयन के लिए 778 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने कलेक्टर ने अधिकारियों से की चर्चा

- **बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में 24 फरवरी को होगा आयोजन**
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुड़ेंगे वर्चुअली तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में होगा आयोजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में कल आयोजित होने वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के संबंध में समस्त विभागों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रम को वृहद् बनाया जाए। इसके लिए हर पहलुओं पर बिंदुवार जानकारी अधिकारियों को दी।

ज्ञात हो विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच को सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन 24 फ़रवरी को राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगे और हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। इस आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे। इसके लिए कलेक्टर ने सभी विभागों को गुणवत्ता पूर्ण तैयारी करने को कहा। बैठक में एसपी संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

स्मार्ट रीडिंग लाइब्रेरी जल्द होगी प्रारंभ, सदस्यता शुल्क 23 से 27 फरवरी तक नालंदा परिसर लाइब्रेरी में होगा जमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के मोतीबाग स्थित रीडिंग लाइब्रेरी का कार्य कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर शीघ्र ही पूर्ण किया जा रहा हैं। रीडिंग लाइब्रेरी की सदस्यता के लिए नालंदा परिसर में 23 फरवरी से 27 फरवरी तक सदस्यता शुल्क जमा किए जा सकेंगे। इस लाइब्रेरी के लिए 1 फरवरी 2024 से नालंदा परिसर लाइब्रेरी तथा सेंट्रल लाइब्रेरी के लिए सदस्यता फॉर्म का वितरण किया जा रहा है।

स्मार्ट रीडिंग लाइब्रेरी के नोडल अधिकारी केदार पटेल ने बताया कि आवेदक, आवेदन फॉर्म भर कर

23 से 27 फरवरी तक नालंदा परिसर में सुबह 10:30 से शाम 5 बजे तक सदस्यता शुल्क जमा कर अपनी सदस्यता सुनिश्चित करा सकते हैं। सदस्यता हेतु आवेदकों को फॉर्म भर कर आवश्यक दस्तावेज जमा करना होगा तथा 2500 रू. कॉशनमनी तथा 500 रुपये मासिक शुल्क सहित कुल 3000 रुपये जमा करना होगा। कॉशनमनी की राशि सदस्यता छोड़ने की स्थिति में वापसी योग्य रहेगी। फॉर्म और पूरा शुल्क अदा करने वाले आवदेकों को 28 फरवरी से लाइब्रेरी का स्मार्ट आई.डी. कार्ड प्रदान किया जायेगा। मार्च के प्रथम सप्ताह में सदस्यों के अध्ययन के लिए लाइब्रेरी प्रारंभ किए जाएंगे। लाइब्रेरी में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों को व्यवस्थित किया जा रहा है। इस रीडिंग लाइब्रेरी 600 प्रतिभागी एक साथ बैठकर तैयारी कर सकेंगे। नालंदा परिसर के बाद मोतीबाग परिसर में प्रारंभ होने वाले रीडिंग लाईब्रेरी से प्रतिभागियों को काफी मदद मिलेगी।

बोर्ड परीक्षार्थियों के भय और तनाव को दूर करने हेल्पलाइन

टोल फ्री नंबर-18002334363 पर हो रहा फोन काल का निराकरण

रायपुर। बोर्ड परीक्षार्थियों के परीक्षा संबंधी भय और तनाव को दूर करने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज 22 फरवरी से एक हेल्पलाइन शुरू कर दी है। हेल्पलाइन में स्थापित टोल फ्री नंबर-18002334363 पर आज पहला दिन परीक्षा भय एवं तनाव संबंधी समस्याओं से संबंधित 61 फोन काल प्राप्त हुए, इनका निराकरण मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, विषय विशेषज्ञ, मंडल के अधिकारियों द्वारा करते हुए परामर्श दिया गया।

हेल्पलाईन में आज अंग्रेजी विषय की विषय विशेषज्ञ सुश्री अंजू सूद ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा के तैयारी के संबंध में

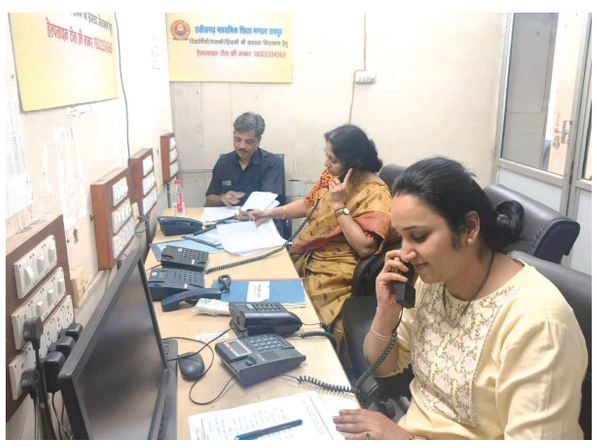

विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया और मनोचिकित्सक डॉ. स्वाती शर्मा द्वारा तनाव संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। हेल्पलाईन में छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ अंचलों जैसे - कोरबा, बस्तर, जांजगीर-चांपा, कवर्धा, सारंगढ़, अम्बिकापुर और अन्य जिलों के विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछे गए। हेल्पलाईन का संचालन मंडल के उप सचिव जेके अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शुक्रवार 23 फरवरी को गणित विषय के विषय विशेषज्ञ अखिल खरे और मनोवैज्ञानिक डॉ. वर्षा वरवंडकर विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाईन में उपस्थित रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी, हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक परीक्षाओं के संदर्भ में परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व यह हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक हेल्पलाइन में मंडल के टोल फ्री नंबर-18002334363 पर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। रविवार और अवकाश को छोड़कर हेल्पलाइन में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक अभिप्रेरक विषय विशेषज्ञ एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

65 लाख 7 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 22 फरवरी की स्थिति में 65 लाख 7 हजार 442 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का अन्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निशक्तजन एपीएल राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा रहा है। राशनकार्डधारियों के लिए खाद्य विभाग द्वारा एप तैयार किया गया है। एप के माध्यम से हितग्राही ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। ऐसे हितग्राही जिनके पास एंड्राएड मोबाईल की सुविधा नहीं है या नेटवर्क की समस्या है तो वे हितग्राही उचित मूल्य की दुकान में भी जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 1402 बच्चों का स्वर्णप्राशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्ति वर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर में बुधवार को 1402 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। स्वर्णप्राशन के साथ ही शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और

कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया। स्वर्णप्राशन समन्वयक डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह काफी लाभदायक है। महाविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्रएं हर महीने इसमें महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर द्वारा पुष्य नक्षत्र तिथि 9 जनवरी को भी 1235 बच्चों का स्वर्णप्राशन कराया गया था।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

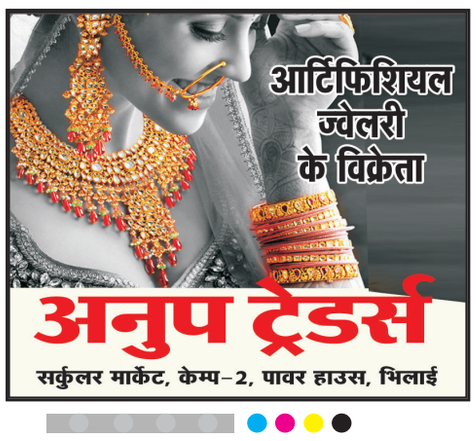

बिना नाखूनों को नुकसान पहुंचाए प्रेस-ऑन नेल्स हटाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

प्रेस-ऑन नेल्स यानी नकली नाखून काफी चलन में हैं। यही वजह है कि मेकअप और कॉस्मेटिक की दुकानों में अलग-अलग रंग और डिजाइन में ये नाखून उपलब्ध हैं। ये नाखून एक विशेष प्लास्टिक रेजिन से बने होते हैं और इन्हें लगाना आसान होता है, लेकिन इन्हें उतारते समय सावधानी बरतनी जरूरी है क्योंकि जरा-सी गलती आपके प्राकृतिक नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती है।आइए आज हम आपको घर पर प्रेस-ऑन नेल्स को हटाने के लिए कुछ तरीके बताते हैं।

एसीटोन लिक्विड

एसीटोन लिक्विड प्रेस-ऑन नेल्स की गोंद की पकड़ को ढीला करके इन्हें निकाल सकता है। लाभ के लिए सबसे पहले रूई के टुकड़ों को एसीटोन के लिक्विड से भिगोकर अपनी उंगलियों पर लपेटें , फिर इन पर एल्यूमीनियम फॉइल लपेटें। हालांकि, ध्यान रखें कि नाखूनों को ज्यादा देर तक एसीटोन के संपर्क में रखने की जरूरत नहीं है, इसलिए कुछ मिनट बाद ही इसे हटा दें। इसके बाद नेल क्लिपर से प्रेस-ऑन नेल्स को हल्के हाथों से निकालें।

नेल ड्रिलिंग मशीन

आमतौर पर प्रेस-ऑन नेल्स को फाइलिंग की जरूरत नहीं होती है और इन्हें हटाने के लिए नेल ड्रिलिंग मशीन का उपयोग करना बेहतर होता है। हालांकि, अगर आपके नकली नाखून स्फटिक या अन्य 3डी एक्सेंट गोंद से चिपकाए हुए हैं तो उन्हें नेल ड्रिल के साथ फाइलिंग करके हटाना आसान हो सकता है। हालांकि, इसका उपयोग करने से पहले किसी नाखून तकनीशियन से परामर्श जरूर लें।

जैतून का तेल

जैतून का तेल आपकी त्वचा या उंगलियों को नुकसान पहुंचाए बिना प्राकृतिक नाखूनों से नकली नाखूनों को आसानी से हटा सकता है। लाभ के लिए कुछ रूई के टुकड़ों को जैतून के तेल में भिगोएं और इन्हें प्रत्येक नाखून पर लपेटें, फिर 10 मिनट के बाद नाखूनों से रूई हटाकर हल्के दबाव के साथ नकली नाखूनों को निकालें।ध्यान रखें कि ज्यादा जोर लगाने से असली नाखून भी टूट सकता है, इसलिए यह काम आराम से करें।

साबुन का पानी

साबुन का पानी भी प्रेस-ऑन नेल्स की गोंद को ढीला करके इन्हें आसानी से निकाल सकता है। लाभ के लिए एक कटोरे में गर्म पानी लें और उसमें बर्तन धोने वाला लिक्विड डालकर अच्छे से मिलाएं।अब अपने प्रत्येक हाथ को इस मिश्रण में 5 से 10 मिनट भिगोने के बाद नकली नाखूनों को पीछे की तरफ से निकालें। इसके लिए आप किसी बारीक डंडी का उपयोग कर सकते हैं।

क्यूटिकल ऑयल

सबसे पहले क्यूटिकल स्टिक से प्रेस-ऑन नेल्स के किनारों को धीरे से उठाएं। इसके बाद नाखूनों के नीचे और किनारें पर क्यूटिकल ऑयल की कुछ बूंदें डालें।3-5 मिनट के बाद सावधानी से स्टिक से नाखूनों को धीरे-धीरे निकालें। क्यूटिकल ऑयल न केवल नकली नाखूनों को हटाना आसान बनाता है, बल्कि आपके नाखूनों और त्वचा को पोषण भी देता है, जिससे वे अच्छी तरह से हाइड्रेटेड और मुलायम हो जाते हैं।

क्या आप भी खाना खाने के बाद पीते हैं चाय-कॉफी तो एक्सपर्ट से जानें सही जवाब

कई लोग चाय के बहुत शौकीन होते हैं और वे खाना खाने के बाद भी चाय पीना पसंद करते हैं। लेकिन एक्सपर्ट की सलाह है कि खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीना सही नहीं है। खाना खाने के बाद हमारा पाचन तंत्र भोजन को हजम करने में लगा रहता है। अगर इस दौरान हम चाय जैसे गर्म पेय का सेवन करते हैं तो पेट में एसिडिटी का स्तर बढ़ जाता है। इससे एसिडिटी, अपच, पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए एक्सपर्ट्स की सलाह है कि भोजन के कम से कम 1-2 घंटे बाद ही आपको चाय या कॉफी लेनी चाहिए। इतने समय में आपके पेट में पचने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और गर्म जीचें पीने से कोई हानि नहीं होगी।

खराब पाचन तंत्र

चाय या कॉफीन में कैफीन होता है जो पेट की लाइनिंग को उत्तेजित करता है। इससे एसिडिटी, गैस, अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर पर बुरा असर

चाय में कैफीन होता है, जो कि एक स्टिमुलेंट है। यह हमारे शरीर में तनाव उत्पन्न करता है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। खासकर जब हम खाना खाकर चाय पीते हैं तो पाचन प्रक्रिया कमजोर होने से कैफीन का असर और भी बढ़ जाता है। अगर कोई व्यक्ति हाई ब्लड प्रेशर का मरीज है तो डॉक्टर उन्हें खाने के बाद चाय बिल्कुल न पीने की हिदायत देते हैं। क्योंकि इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल से बाहर हो सकता है और गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

आयरन की कमी

खाना खाने के बाद हमारा पाचन तंत्र उसे पचाकर उससे पोषक तत्व अवशोषित करने की प्रक्रिया में लग जाता है। लेकिन अगर हम इसी बीच में चाय या कोई अन्य पेय लेते हैं तो पाचन प्रक्रिया बाधित हो जाती है और पोषक तत्व ठीक से शरीर में समाहित नहीं हो पाते। इससे खासकर आयरन की कमी होने लगती है क्योंकि चाय में टैनिन होता है जो आयरन के अवशोषण में बाधा डालता है। आयरन की कमी से एनीमिया, थकान जैसी समस्याएं होती हैं।

सिर दर्द की समस्या

खाने के बाद चाय पीने से सिरदर्द जैसी समस्याएं होने लगती है। चाय में उपयोग होने वाले दूध में करीब 2.8 प्रतिशत लैक्टोज होता है। कई लोगों के शरीर में लैक्टोज को पचाने का एंजाइम नहीं होता है जिससे उन्हें इसे हजम करने में दिक्कत होती है। इस स्थिति में लैक्टोज आंतों में जाकर गैस और दबाव पैदा करता है जो सिरदर्द का कारण बन सकता है।

डैमेज होने से पहले किडनी करती है वॉर्न, भूलकर भी ना करें नजरअंदाज

अगर किडनी में किसी तरह की समस्या महसूस हो रही है तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसका गहरा असर सेहत पर पड़ सकता है। दरअसल, किडनी फेल्योर यानी किडनी डैमेज होने की स्थिति में शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर नहीं आ पाते हैं और कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। किडनी डैमेज होने से पहले अक्सर शरीर में वॉर्निंग साइन देखने को मिलते हैं लेकिन इन्हें इग्नोर करने पर खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कभी भी कुछ लक्षणों को नजरअंदाज करने से बचना चाहिए।

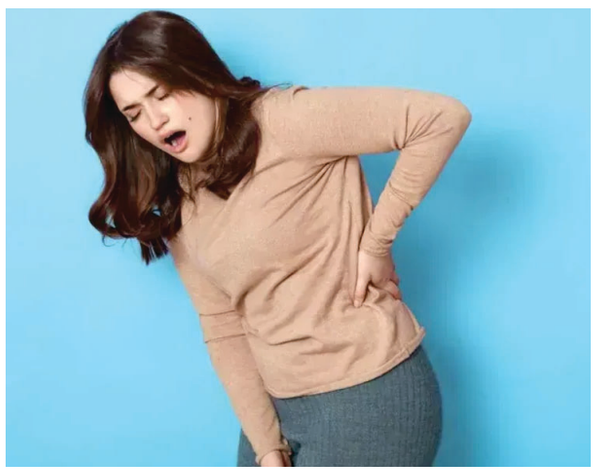

किडनी डैमेज होने की वॉर्निंग साइन

जी मिचलाना

किडनी में खराबी होने पर अक्सर जी मिचलाने जैसा महसूस होता है। ऐसी स्थिति को कभी भी इग्नोर नहीं करना चाहिए, वरना आगे चलकर बड़ी समस्या हो सकती है। जब भी ऐसा लगे तो तुरंत जाकर हेल्थ एक्सपर्ट्स से सलाह लेनी चाहिए।

भूख कम लगना

अगर किडनी में किसी तरह की खराबी है तो भूख में अचानक से कमी आ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब किडनी सही तरह काम नहीं करती है तो शरीर की अतिरिक्त गंदगी बाहर नहीं आ पाती है और भूख कम लगती है। ऐसे में पेट हमेशा भरा-भरा सा लगता रहता है।

थकान-कमजोरी

दिनभर थकान और कमजोरी होना भी किडनी डैमेज होने की वॉर्निंग साइन मानी जाती है। ऐसी कंडीशन को गलती से भी इग्नोर नहीं करना चाहिए। कई लोग शरीर में कमजोरी महसूस होने पर इसे टालते रहते हैं, जो बाद में चलकर गंभीर हो सकती है।

नींद न आना

रात में अगर अच्छी और गहरी नींद नहीं आ रही है तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ये किडनी डैमेज होने की तरफ इशारा हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से फौरन संपर्क करें और समय पर इलाज करवाएं, ताकि आपकी किडनी सुरक्षित रहे।

पेशाब कम या ज्यादा

ज्यादा या कम पेशाब आना भी किडनी डैमेज होने की ओर इशारा करती है। ऐसी स्थिति को भी नजरअंदाज करने के अलावा डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इससे कई समस्याएं पहले ही हल हो सकती हैं और आपकी किडनी की सेहत सही समय पर सुधर सकती है।

गर्भावस्था के दौरान रोजाना कुछ मिनट जरूर टहलें, मिलेंगे ये फायदे

गर्भावस्था आराम करने का समय लग सकता है, लेकिन इस दौरान सक्रिय रहना पहले से भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। खासतौर से जब तक कि आपको कोई जटिलता न हो और डॉक्टर द्वारा बिस्तर पर आराम करने की सख्त सलाह न दी जाए।इस समय रोजाना टहलना न केवल गर्भवती महिलाओं को शारीरिक और मानसिक बदलावों से निपटने में मदद कर सकता है, बल्कि आसान प्रसव के लिए तैयार होने में भी मदद कर सकता है।

पीठ दर्द हो सकता है दूर

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के ऊपर अतिरिक्त वजन आ जाता है, जो पीठ दर्द का कारण बनता है। इसकी वजह से उनके लिए उठने-बैठने के लेकर कई सामान्य गतिविधियां तक करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन रोजाना टहलने से पीठ दर्द से छुटकारा मिल सकता है। इस एक्सरसाइज से बढ़ते पेट को आसानी से उठाने के लिए रीढ़ की हड्डी को सहारा भी मिल जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है अच्छा

रोजाना कुछ मिनट पार्क या किसी खुली जगह पर टहलने से ऊर्जा के स्तर और सहनशक्ति में बढ़ोतरी भी होने लगती है। टहलना बार-बार मूड में होने वाले बदलावों को ठीक करने और गर्भावस्था के तनाव से निपटने में भी सहायक है। इससे दिमाग को शांत रखने में भी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज अनिद्रा की समस्या को दूर करके बेहतर नींद दिलाने में भी प्रभावी मानी जाती है।

पाचन क्रिया में हो सकता है सुधार

गर्भावस्था में कई महिलाओं के लिए कब्ज एक आम समस्या है और इससे राहत पाने के लिए भी टहलना लाभदायक हो सकता है। इससे पाचन समय तेज हो जाता है और मल त्यागना आसान हो जाता है। इसके अलावा इससे पेट की मांसपेशियों और अंगों की मालिश हो जाती है। साथ ही इस एक्सरसाइज से पाचन को सक्रिय करने में मदद मिलती है।

वजन को नियंत्रित रखने में है कारगर

गर्भावस्था में कई तरह की चीजें खाने का मन करता है और इससे वजन में बढ़ोतरी होना लाजिमी है।हालांकि, अगर आप अपने वजन को नियंत्रित रखना चाहती हैं तो रोजाना सुबह खाली पेट कुछ मिनट जरूर टहले। इससे वजन कम करने में मदद मिलती है और इससे कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होते हैं।यह आपको फिट रखता है और गर्भकालीन मधुमेह समेत समय से पहले प्रसव के जोखिम को कम करता है।

जोड़ों और प्रसव से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं दूर

गर्भावस्था में बढ़ने वाले वजन का प्रभाव न सिर्फ पीठ, बल्कि जोड़ों पर भी पड़ता है। इस वजह से बार-बार दर्द और ऐंठन की समस्याएं सामने आती हैं। हालांकि, रोजाना टहलने से जोड़ों पर तनाव नहीं पड़ता और यह एक अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज है, जो मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त गर्भावस्था में टहलने से प्रसव के दौरान कई जटिलताओं को कम करने में भी सहायता मिलती है।

योग या एक्सरसाइज करने के आधे घंटे बाद तक ना करें ये काम, नहाने का टाइम तो लिख के रख लीजिए

बीमारियों से बचना है योग करें, किसी तरह की दिक्कत है तो योग करें, मन अशांत है योग कर लें ऐसी तमाम बातें हम योग के बारे में पढ़ते और सुनते आए हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि योग करने के भी कुछ नियम होते हैं, जिन्हें ना करने से आपको फायदे की जगह उल्टा नुकसान उठाना पड़ सकता है। योग करने वाले और योग शुरू करने वाले हर इंसान को इन बातों का पता होना चाहिए। आज के आर्टिकल में हम आपको योग से जुड़ी कुछ बातें बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको ध्यान में रख कर इसे अपनाना चाहिए।

योग अपनी लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छा कदम है और इसे निरंतर करते रहने से शरीर कई बीमारियों से मुक्त रहता है। वैसे तो योग करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है इसे कोई भी कर सकता है लेकिन फिर भी योग को करने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि छोटी से छोटी क्रिया करने के लिए भी कुछ तो नियम अपनाए जाते हैं।

क्या करें क्या ना करें

हम आपको योग के तुरंत पहले योग के दौरान और योग के तुरंत बाद क्या नहीं करना चाहिए ये सब बताएंगे। ये काम आपके योग से होने वाले फायदों को कम कर देते हैं और आपकी अच्छी हेल्थ बनने में रुकावट का काम करते हैं तो आइए जानते हैं कौनसे हैं वे काम जिन्हें करने से आपको बचना चाहिए।

नहाने की गलती

योग करने से एक दम पहले और तुरंत बाद कभी नहीं नहाना चाहिए। योग करने से शरीर में जिस उर्जा का संचार होता है नहाने से वो ऊर्जा प्रभावित हो जाती है इसलिए विशेषज्ञय आम तौर पर यही सलाह देते हैं कि योग करने से कम से कम आधे घंटे पहले तक नहीं नहाना चाहिए और यही काम योग करने के बाद भी करना चाहिए। एक और कारण विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि योग करने से शरीर में कभी गर्माहट तो कभी ठंडक होती है और तुरंत नहाने से शरीर का तापमान बिगड़ सकता है।

शरीर पर दबाव डालना

योग करने के अलग अलग नियम होते हैं आप योग को अपने ऊपर बर्डन बना कर ना करें, जरुरी नहीं की आप पहली स्टेज से ही योग में परफेक्ट हो जाएं। इसलिए योग करते समय मन को शांत और शरीर को रिलेक्स मोड पर छोड़ देना चाहिए।

योग से पहले भोजन

योग से पहले खाना ना खाने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि भोजन करने से शरीर में पाचन क्रिया शुरु हो जाती है जिससे योग के किसी भी आसन पर बॉडी रेस्पॉन्स नहीं करती और शरीर अपनी सारी ऊर्जा भोजन पचाने में लगा देता है जिससे शरीर में फायदा होने की जगह नुकसान हो सकता है।

सांस लेने में सतकर्ता बरतना

योग करते वक्त गहरी सांस लेनी चाहिए जिससे आप रिलेक्स हो सकें और ऑक्सीजन आपके शरीर के हर कोने में पहुंच सके। गहरी सांस कब लेनी है और कब छोड़नी है इन बातों का खास ख्याल रखा जाना चाहिए।

इस हालत में योग करने से बचें

जब शरीर थका हुआ हो तब योग करने से बचना चाहिए इसके अलावा बीमारी की हालत में भी योग नहीं करना चाहिए। महिलाओं को महावारी के समय कठिन योगसन करने से बचना चाहिए। किसी भी तरह के फ्रेक्चर की हालत में भी योग करने से बचना चाहिए। इसके अलावा किसी भी तरह के योगसन से पहले या योग शुरु करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लेनी चाहिए

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

रेलवे एसपी जेआर ठाकुर आईपीएस अवार्ड से सम्मानित हुए

राजनांदगांव। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस अधीक्षक रेलवे झाड़ूराम ठाकुर सहित राज्य पुलिस सेवा के कुल 07 अधिकारियों को आज आईपीएस अवार्ड दिया गया है। जेआर ठाकुर के आईपीएस अवार्ड होने पर अंचल में बहुत ही हर्ष व्याप्त है। ठाकुर के आईपीएस अवार्ड होने पर पुलिस विभाग के अलावा आदिवासी समाज के लोगों तथा उनके मित्रों एवं शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उल्लेखनीय है कि जेआर ठाकुर नव गठित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी के सुदूर ग्राम ककईपार के मूल निवासी है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने ग्राम ककईपार एवं गोटाटोला में करने के पश्चात् शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहला से हायर सेकण्डरी परीक्षा की उत्तीर्ण की है। इसके पश्चात् वे शासकीय पोस्ट मेट्रिक आदिवासी छात्रावास राजनांदगांव में रहकर शासकीय महाविद्यालय राजनांदगांव में एमए समाज शास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। वे सन् 1987 में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित होकर सन् 1998 तक शासकीय दाऊ कल्याण सिंह महाविद्यालय बलौदाबाजार में एक उत्कृष्ट प्राध्यपाक के रूप में अपनी सेवाएं दी है। इसके पश्चात् वे सन् 1998 में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से उप पुलिस अधीक्षक के पद पर चयनित होकर उप पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सेनानी सहित गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सराहनीय सेवाएं दी है।

स्कूल व कॉलेज बोर्ड व वार्षिक परीक्षाओं को मद्देनजर रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

सूरजपुर। महाविद्यालयीन एवं शालाऐं परीक्षाएँ प्रारंभ होने वाली है तथा विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा की तैयारी की जा रही है। आम जनता द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग मानक सीमा से अधिक आवाज, ऊँची आवाज में किये जाने से विद्यार्थियों के पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त बुजूर्ग, दुर्बल एवं बीमार व्यक्ति, किसी भी संस्था, अस्पताल या घर में हो तो अत्यधिक परेशानी होती है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों का मनमानी तरीके से उपयोग की सुविधा नहीं दी जा सकती है। अतएव उपर्युक्त वर्णित तथ्यों पर कलेक्टर रोहित व्यास, जिला मजिस्ट्रेट, सूरजपुर छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र का चलाया या चलवाया जाना प्रतिबंधित करता हूँ। क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त कर धीमी आवाज में लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा सकता है।

पीवीटीजी परिवारों कै आर्थिक विकास के लिए किया जा रहा सतत् प्रयास

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के आर्थिक स्थिति में बढ़ोत्तरी करने हेतु सतत् प्रयास किया जा रहा है। इस हेतु उन्हें कृषि सहित मछली पालन, मुर्गी-बकरी पालन, उद्यानिकी खेती जैसे गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में आज मत्स्य पालन विभाग द्वारा विकासखंड कटघोरा के ग्राम मल्दा, अमलाडीहा, बिंझरा, कुटेसर, खोड़री, केसलपुर, कटोरीनगोई के पीवीटीजी परिवारों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई साथ ही उन्हें योजनाओं से जुड़कर लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में हरिचंदन के कार्यकाल को पूरे हुए एक वर्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में आज 23 फरवरी को एक वर्ष पूर्ण हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है कि यहां उच्च संवैधानिक पद पर साहित्यकार और संवेदनशील व्यक्ति राज्यपाल के रूप में आसीन हैं। राजभवन के दरवाजे सभी के लिए खुले रहते हैं। हर तबके, वर्ग और समाज के लोग राज्यपाल से भेंट करने आते हैं और संतुष्ट होकर जाते हैं। राज्यपाल को छत्तीसगढ़ के लोग अत्यंत सरल ,सहज लगते हैं और वे सभी से आत्मीयता के साथ मिलते हैं। हरिचंदन ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति का पद संभालने के बाद कुलाधिपति के रूप में सबसे पहले राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली और उनके विश्वविद्यालयों की गतिविधियों एवं समस्याओं की जानकारी लेकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उनका कहना हैं कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है और इसका प्रभाव उसके भविष्य पर भी पड़ता है। इसलिए सभी विश्वविद्यालयों को समय पर दीक्षांत समारोह सम्पन्न करना चाहिए। उनके इस निर्देश के बाद राज्य के 11 शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह आयोजित हुए और लगभग 4 लाख विद्यार्थियों को विभिन्न उपाधियां एवं पदक प्रदान किये गये। कुलाधिपति के रूप में वे विद्यार्थियों को राष्ट्र की सेवा करने एवं गरीब, शोषित व वंचित वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित करते हैं। उनका मानना है कि सर्वाधिक युवाओं की आबादी वाले इस देश के युवाओं को सकारात्मक दिशा में ले जाना आवश्यक है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस दौरान छत्तीसगढ़ आगमन हुआ था। उन्होंने छत्तीसगढ़ राजभवन के आतिथ्य को अत्यंत सराहा ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष पहल पर देश में विकसित भारत /2047 अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से युवाओं को जोड़ने के लिए राज्यपाल के निर्देशन में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की कार्यशाला राजभवन में आयोजित की गई। राज्यपाल का मानना है कि इस मिशन को सफल बनाने के लिए युवाओं के नवीन विचारों को राष्ट्र निर्माण में शामिल करना होगा। युवा शक्ति का उपयोग करके हम भारत को एक विकसित और सशक्त भारत के रूप में आगे बढ़ा सकते हैं।

प्रधामंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अनूठी पहल का क्रियान्वयन राज्यपाल श्री हरिचंदन के निर्देशन में किया जा रहा है। इसके तहत अब तक 26 राज्यों एवं 7 केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस राजभवन में* एक भारत श्रेष्ठ भारत* कार्यक्रम के तहत बड़े ही उल्लास पूर्ण वातावरण में मनाया गया है। विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए इस कार्यक्रम में अब तक (गुजरात, महाराष्ट्र, ओड़िशा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गोवा, असम, नागालैण्ड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू, केरल, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरांखड, झारखण्ड, मेघालय, उत्तरप्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, केन्द्र शासित प्रदेशों लद्दाख, चंडीगढ़, अंडमान निकोबार द्वीप, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव) का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया है।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत युवा संगम *कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों के कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थी एक-दूसरे राज्यों का भ्रमण कर वहां के खान-पान, संस्कृति, रहन-सहन से रूबरू हो रहें हैं। इस कड़ी में गोवा और नागालैण्ड के विद्यार्थी भी छत्तीसगढ़ पहुंचे थे। राज्यपाल ने उनसे मुलाकात की और वैचारिक आदान-प्रदान भी किया। उनका कहना है कि विद्यार्थी ऐसा कार्य करे जिससे देश गौरवान्वित हो और एक भारत-महान भारत का उद्देश्य पूरा हो सके।

राज्यपाल हरिचंदन की पहल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का प्रसारण राजभवन में सुना गया। श्री मोदी ने कार्यक्रम की विभिन्न कड़ियों में छत्तीसगढ़ के हस्तियों से बातचीत की , साथ ही उनका उल्लेख किया। काष्ठ शिल्पकार श्री अजय मंडावी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा था कि वे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के गुमराह युवाओं को सही मार्ग दिखा रहें हैं। इसी तरह बेमेतरा जिले के साजा विकासखंड के ग्राम देउरगांव की महिला स्व-सहायता समूह का उन्होंने उल्लेख किया था जो स्वच्छता अभियान से जुड़कर अपने गांव की सड़कों - गलियों की साफ-सफाई का अभियान चला रही हैं। राज्यपाल ने उन सभी हस्तियों को राजभवन आमंत्रित किया और उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

हमारे संवेदनशील राज्यपाल का प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान है। प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को वर्ष 2025 तक टी.बी. रोग से मुक्त करने का लक्ष्य है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, बैंको एवं अन्य संगठनों से उन्होंने कम से कम 100 टी.बी. मरीजो को गोद लेने की अपील कर अभियान को गति दी। उन्होंने स्वयं निक्षय मित्र बनकर दंतेवाड़ा के 51 मरीजों को गोद लिया और उन्हें अतिरिक्त पोषण आहार देने के लिए 2 लाख रूपए प्रदान किए। श्री हरिचंदन रेडक्रॉस की गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से शामिल होते है। साथ ही सभी जिला कलेक्टर और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में रेडक्रॉस से जोड़ने का आव्हान करते है और शिविरों में जाकर रक्तदाताओं का मनोबल भी बढ़ाते है।

दुनिया में तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण के प्रति श्री हरिचंदन ने समय-समय पर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि अभी प्रदूषण को नही रोकेंगे तो यह महामारी का रूप ले लेगा। उन्होंने राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के कुछ समय बाद राजभवन एवं उसके आस-पास के क्षेत्र को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित कर पर्यावरण स्वच्छता का संदेश जनमानस को दिया। वे जिस भी कार्यक्रम मे जाते हैं ,वृक्षारोपण अवश्य करते हैं यह उनका पर्यावरण के प्रति अगाध प्रेम दर्शाता है। वे युवाओं से भी आव्हान करते हैं कि अपने राष्ट्र पर,अपनी संस्कृति पर गर्व करें और हमेशा वंचित वर्गों की सहायता के लिए आगे आएं।

आजादी की 75वें वर्षगांठ पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की याद में पूरे देश में आजादी का ''अमृत महोत्सव'' मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत राजभवन में ''मेरा माटी-मेरा देश'' अमृत कलश यात्रा आयोजित की गई जिसमे प्रदेश के सभी विकासखंड से शहीदों के सम्मान में मिट्टी एकत्रित कर राजभवन लाया गया। राज्यपाल ने पावन मिट्टी से भरे अमृत कलशों को पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नई दिल्ली के कर्त्तव्य पथ पर अमृत वाटिका के निर्माण के लिए भेजा गया। उन्होंने शहीदों परिजनों का सम्मान कर अपनी कृतज्ञता का भाव प्रकट किया। राज्यपाल स्वयं एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्य है। इस नाते देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले असंख्य बलिदानियों के प्रति अपनी कृतज्ञता के भाव को सदैव प्रकट करते हैं। इसी कड़ी में महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बाबा साहेब अंबेडकर, लालबहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महापुरूषों और नेताओं जिन्होंने देश की आजादी, सार्वभौमिकता, अखंडता, लोकतंत्र की रक्षा और मानव कल्याण के लिए अविस्मरणीय योगदान किया है।

उनकी जयंती और पुण्य तिथि पर उन्हें नमन करने और उनके योगदान का स्मरण करने के लिए राजभवन में नई परंपरा राज्यपाल ने प्रारंभ कराई है। राज्यपाल के 1 वर्ष के कार्यकाल में अनेकों अध्यादेशों और 43 विधेयकों का अनुमोदन किया गया। उन्होंने पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर सहित 6 निजी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा आज रक्षित केंद्र रायपुर स्थित एकलव्य शूटिंग केंद्र एवं शस्त्र प्रशिक्षण केंद्र में छत्तीसगढ़ के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस प्रतियोगिता में राज्य के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस सहित पुलिस के अधिकारी एवं जवान मिलाकर लगभग 130 लोग इस एयर रायफल, एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहें हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिता एक नवाचार और अभ्यास है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से भविष्य में बड़े आयोजनो में हम जरूर मेडल जीतकर आएंगे। उन्होंने कहा कि टारगेट शूटिंग न केवल आपको सक्रिय रखने के लिए एक शानदार खेल है बल्कि यह आत्म-सम्मान आत्मविश्वास भी पैदा करता है।

शूटिंग खेल को अपनाने से कई शारीरिक लाभ होते हैं।

बढ़ी हुई ताकत सहन शक्ति संतुलन हाथ और आंख समन्वय और बढ़िया कौशल इसके कुछ लाभ हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रायपुर अमरेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह सहित पुलिस एवं प्रतिभागी अधिकारी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव हुआ शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। जिले के मैनपाट में रोपाखार जलाशय के पास तीनदिवसीय मैनपाट महोत्सव का आयोजन 23 से 25 फरवरी तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित है। शुभारंभ अवसर पर 23 फरवरी को कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी.चौधरी करेंगें। कलेक्टर विलास भोस्कर ने गुरुवार को महोत्सव की अंतिम तैयारियों का जायजा लिया।

महोत्सव में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में छ.ग. शासन के स्कूल शिक्षा,उच्च शिक्षा,संसदीय कार्य,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व,पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री बृज मोहन अग्रवाल होंगे।

इसी प्रकार प्रमुख अतिथि के रूप में छ.ग. शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो, विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के विधायक प्रबोध मिंज, विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के विधायक राजेश अग्रवाल, विधानसभा क्षेत्र भरतपुर सोनहत के विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, विधानसभा क्षेत्र बैकुण्ठपुर के विधायक भईयालाल राजवाड़े, विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर के शकुंतला पोर्ते, विधानसभा क्षेत्र पत्थलगांव के गोमती साय, विधानसभा क्षेत्र कुसमी के उध्देश्वरी पैकरा, विधानसभा क्षेत्र जशपुर के रायमुनी भगत, विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर के विधायक भूलन सिंह मरावी होंगे। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सरगुजा जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, मैनपाट जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला खेस, मैनपाट ग्राम पंचायत रोपाखार के सरपंच श्रीमती सविता मांझी होंगी।

बीएसपी के इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग ने पूरे किये 1500 दुर्घटना-मुक्त कार्यदिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न शॉप्स की प्रक्रिया और पर्यावरण मापदंडों को मापने, उनकी निगरानी और नियंत्रण करने हेतु इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग चैबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। इन शॉप्स में सीओ एवं सीसीडी, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप्स, मिल्स, पीबीएस, एसपी तथा आरएमपी सहित संयंत्र की अन्य सभी सहायक इकाइयाँ शामिल हैं।

शॉप्स की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 100 से अधिक संयंत्र कर्मियों के साथ-साथ 250 से अधिक ठेका श्रमिक हमेशा अलर्ट मोड पर रहते हैं, और उन्हें सभी शॉप्स के निवारक रखरखाव और ब्रेकडाउन कार्यों में भाग लेना होता है। इस्ट्रूमेंटेषन विभाग ने 1,500 दुर्घटना-मुक्त कार्यदिवस,

यानी पिछले 4 वर्षों में कोई मानव-दिवस नहीं खोने की उपलब्धि को प्राप्त कर लिया है।

इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग ने कई प्रशिक्षण और जागरूकता गतिविधियों का संचालन व नवीन सुरक्षा पहल करते हुए नियर-मिस केसेस की रोकथाम की चुनौती और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को पूरा करने के लिए खुद को तैयार किया है। विभाग ने अपने सभी कर्मचारियों को माई सेफ्टी कार्ड जारी करने की पहल की है, जिसमें संयंत्र की सुरक्षा प्रशासन प्रणाली में शामिल सभी सुरक्षा मानकों से संबंधित प्रश्नों का सारांश दिया गया है। बीएसपी के इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग ने विभिन्न अनुबंधों के तहत कार्यरत अपने सभी ठेका श्रमिकों को पीपीई कार्ड जारी करना भी प्रारंभ कर दिया है। मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) प्रवीण राय भल्ला, महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागप्रमुख (इंस्ट्रूमेंटेशन एवं डब्ल्यूबीएसएम) संत कुमार केशकर तथा महाप्रबंधक एवं विभागप्रमुख (इनकॉस) रवि शंकर ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 1,500 दुर्घटना-मुक्त कार्यदिवस पूरे करने हेतु इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग को बधाई दी।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक एवं डीएसओ (इंस्ट्रुमेंटेशन) सेवाराम जटरेले ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (इंस्ट्रुमेंटेशन) बी मधु पिल्लई तथा महाप्रबंधक (पीबीएस एवं इंस्ट्रुमेंटेशन) गौतम कुमार कुंडू सहित अनुभाग-प्रमुखों, विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व विभागीय कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

नाम परिवर्तन

मै जसपाल सिंग (JASPAL SINGH) उम्र 45 साल पिता शिवराज सिंग (SHIVRAJ SINGH) पता-1 स्ट हाउस सड़क-05 नियर काली बाडी मदिर, सिंधिया नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं। यह कि जन्म - मृत्यु कार्यालय, नगर पालिक निगम भिलाई से मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है जिसमें उसका नाम अवयुक्त सिंग (AVYUKT SINGH) दर्ज है।

यह कि मैं अपने पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में सुधार कर अविराज सिंग (AVIRAJ SINGH) दर्ज करवाना चाहता हूं। यह कि मेरे पुत्र का वास्तविक एवं सही नाम अविराज सिंग (AVIRAJ SINGH) है तथा भविष्य में समस्त शासकीय व अर्द्धशासकीय व अन्य संस्थान में मेरे पुत्र को अविराज सिंग (AVIRAJ SINGH) के नाम से जाना व पहचाना जावें।

जसपाल सिंग
सिंधिया नगर दुर्ग

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

कोरबा में बड़ा हादसाः दीपका माइंस में कोयला निकालते समय मिट्टी धसने से तीन लोगों की मौत

कोरबा। एसईसीएल की दीपका कोयला खदान में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। कोयला निकाल रहे तीन लोग उस समय दब गए जब मिट्टी धसक कर उनके ऊपर आ गिरी। बताया जा रहा है कि पांच लोग साइकिल से कोयला चोरी करने गए थे जहां तीन लोग दब गए हैं दो को बाहर निकाला गया है।

हरदी बाजार थाना अंतर्गत दीपका खदान के सुवाभोडी गांव की घटना बताई जा रही है। इलाके में बम्हनी कोना निवासी पांच युवक सायकल से कोयला लेने दोपहर तीन बजे खदान पहुंचे थे। कोयला निकालते समय मिट्टी धसक गई। इस हादसे में प्रदीप कमारों (18), लक्ष्मण ओढ़े (17), सत्रुधन कश्यप (27) की खदान में दबने से मौत हो गई। वहीं हादसे में अमित सरूता (17) व लक्ष्मण मरकाम बाल बाल बच गए। जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी बाजार ले जाया गया।

रायगढ़ में बुर्जुग महिला पर तेंदुआ ने किया हमला

रायगढ़। गोमर्डा अभ्यारण्य से लगे सारंगढ़ बरमकेला ग्राम मल्दा (ब) में तड़के सुबह बुर्जुग महिला पर तेंदुआ ने हमला कर जख्मी करने का मामला सामने आया हैं। जानकारी के मुताबिक एक बुर्जुग मल्दा ब रहवासी रोजना की तरह तड़के सुबह 5 बजे के आसपास घरेलू कार्य करने के लिए बाड़ी की ओर गई थी। तभी महिला पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। गोमर्डा अभ्यारण्य से लगे इस मल्दा ब गांव में तेंदुए के हमले के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इससे पुर्व भी इस तरह की घटना हो चुकी है,मवेशियों को शिकार भी बनाया जा चुका है। तेंदुए के हमले के बाद महिला ने चीख पुकार करते हुए खुद को बचाने का प्रयास करने लगी, शोर मचाने से लोगो के एकत्रित होने से पहले ही तेंदुआ मौके से जंगल की ओर भाग गया।

इधर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना मिलने के बाद मौके पर आकर मुआयना करने लगे। जबकि घायल महिला को समुचित इलाज नही करवाए बैगेर वापस लौट जाने से ग्रामीणों में नाराजगी भी है। यहां यह भी बताया जाना लाजमी होगा कि उक्त क्षेत्र में लगातार इस तरह वन्य जीवों के हमले सामने आ रहे है। वहीं यह गांव जंगल तथा गोमर्डा अभ्यारण्य से जुड़ा भी है जिसके चलते वन्य जीव जंगल की ओर से आ जाते है तथा मुख्य मार्गो में भी गाहे बगाहे नजर आते हैं।

जमीन बेचने के बाद शातिर ने उसी जमीन पर फिर से ले लिया लोन, किसान को लगाया लाखों का चूना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के धमधा थाना क्षेत्र में एक किसान से लाखों की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। दरहसल शातिर ने अपनी कृषि भूमि किसान को बेची। किसान ने जमीन पर लिए गए लोन को भी पटा दिया और अपने नाम पर रजिस्ट्री भी करवाई। लाखों रुपए में दो एकड़ से ज्यादा की जमीन का सौदा हुआ। जमीन खरीदने वाला किसान जब प्रमाणीकरण कराने रजिस्ट्री कार्यालय गया तो पता चला कि उसकी जमीन पर फिर से लोन ले लिया गया है। इसके बाद किसान ने कई बार शातिर से कहा कि लोन की राशि पटा दे लेकिन वह नहीं माना। इस मामले में धमधा थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला धमधा क्षेत्र का है। ग्राम खपरी निवासी

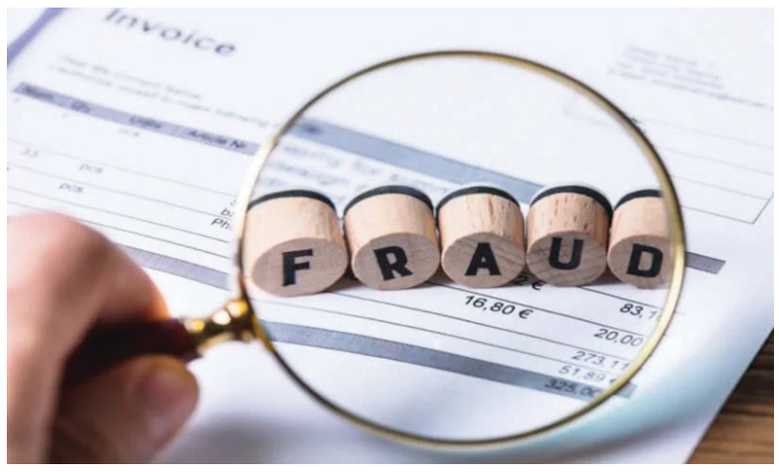

धनेन्द्र साहू ने अपनी कृषि भूमि खसरा नंबर 03, 13, 14 रकबा कुल 0.88 हेक्टेयर (2.174 एकड) जमीन का सौदा आवेदिका किसान संतोषी साहू से किया। 3 जुलाई 2017 को जमीन का सौदा हुआ। अनावेदक धनेन्द्र साहू की भूमि आईडीबीआई बैंक नेहरू नगर भिलाई के केसीसी ऋण होने के कारण से बंधक था। सौदा होने के बाद धनेन्द्र साहू ने बताया कि जमीन पर आईडीबीआई बैंक नेहरू नगर से केसीसी लोन लिया है। उसने बताया कि रजिस्ट्री से पहले केसीसी लोन 10 लाख 36 हजार 340 रुपए पटाना होगा।

इस पर जमीन खरीदने वाली संतोषी साहू ने पति के साथ बैंक का लोन 10 लाख 36 हजार 340 रुपए पटा कर बंधन मुक्त कर दिया। इसके बाद जमीन की रजिस्ट्री हो गई। उक्त भूमि का प्रमाणीकरण होने के एक वर्ष बाद पटवारी द्वारा ऋण पुस्तिका प्रदान किया गया। इसके बाद सितम्बर 2018 में जब संतोषी साहू ने अपनी खरीदी भूमि का अनालाईन बी-01 निकाला तो पता चला कि उसकी भूमि को अनावेदक धनेन्द्र के नाम से बंधक दिखाया जा रहा है। इसके बाद आईडीबीआई बैंक नेहरू नगर से पता चला कि उस जमीन पर धनेन्द्र साहू ने फिर से 10 लाख रुपए केसीसी लोन ले लिया है और वर्तमान में वह जमीन धनेन्द्र साहू के नाम पर ही दिखाया जा रहा था।

लोन का पैसा पटाने कहा तो दिखाए तेवर

इसके बाद संतोषी साहू ने उसकी जमीन को अपना बताकर लोन लेने वाले धनेन्द्र से बैंक में रुपए जमा कर बंधन मुक्त कराने कहा गया। धनेन्द्र साहू ने लोन पटाने का आश्वासन दिया लेकिन नहीं पटाया। इस मामले में थाने पहुंचने पर वहां थाना प्रभारी के सामने काउंसलिंग भी हुई। इस दौरान धनेन्द्र साहू ने कुछ समय मांगा और लोन की राशि पटा देने का भरोसा दिलाया। थाने में पैसा पटाने का वादा करने के बाद धनेन्द्र साहू लगातार गुमराह करता रहा। इसके बाद संतोषी साहू थाने पहुंची और धनेन्द्र की करतूत बताई। संतोषी साहू ने बताया कि जमीन बेचने के बाद फर्जी दस्तावेज बनाकर उसी जमीन पर फिर से लोन लिया। कई बार लोन पटाने का आश्वासन दिया लेकिन लोन नहीं पटाया। इसके बाद धमधा पुलिस ने शिकायत की जांच की और धनेन्द्र साहू के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

10 लाख ऐंठ थमा दिया एसईसीएल में नौकरी की फर्जी नियुक्ति पत्र

कोरबा (ए)। एसईसीएल में लिपिक की नौकरी लगवाने के नाम पर महिला से 10 लाख रूपये लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र दे दिया। लेटर फर्जी निकलने पर मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना रजगामार पुलिस चौकी अंतर्गत की है। नीना केंवट पति अनित केंवट 38 वर्ष निवासी श्यामनगर रजगामार चौकी रजगामार ने बताया कि ग्राम परसाही निवासी भास्कर सिंह कंवर ने बिलासपुर एसईसीएल मुख्यालय में अधिकारियों से अपना परिचय होना बताया, साथ ही स्टोर क्लर्क ग्रेड तीन की नौकरी लगवाने का झांसा दिया। इसके एवज में उसने 10 लाख रुपये नगद ले लिए। बाद में ज्वाइनिंग लेटर प्रदान करने के साथ ही अपना चेक भी दिया। जब लेटर लेकर नौकरी ज्वाइनिंग करने गई, तब फर्जी होने की जानकारी मिली। मामले में पुलिस ने धारा-420, 467, 468, 471 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। चौकी प्रभारी रजगामार की अगुवाई में पुलिस टीम ने आरोपी भास्कर सिंह कंवर 40 वर्ष निवासी परसाही सड़क पारा थाना अकलतरा जिला जांजगीर चापा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया।

आरोफी भास्कर सिंह कंवर ने बताया कि वह रजगामार निवासी नीना केंवट को वर्ष 2022 से पहचानता है और उसे बिलासपुर एसईसीएल मुख्यालय में नौकरी लगवाने के नाम पर 10 लाख रुपये लेकर एक ज्वाईनिंग लेटर भी दिया। साथ ही अपना एक चेक दिया था। आरोपी ने बताया कि नीना केंवट से लिए 10 लाख रूपये से उसने अपना पक्का घर बना लिया है। आरोपी भास्कर सिंह कंवर ने अपराध स्वीकार किए जाने पर पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

गला रेंत कर की गई हत्या, गुप्तांग में मिले जलने के निशान

लापता मां पर बच्चे की हत्या का संदेह

मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात आई सामने

अस्पताल के बहाने बच्चे को लेकर निकली थी घर से

कोरबा (ए)। ढाई साल के मासूम बच्चे की लाश मिलने के मामले में पुलिस की जांच की सूई बच्चे के ही मां के इर्द-गिर्द थिरकने लगी है। घटना के बाद से वह लापता है। सीसीटीवी में बच्चे को आखिरी बार मां के साथ जाते हुए देखा गया है। आसपास के लोगों ने बताया कि वह अपने चार बच्चों में छोटे बच्चे (मृतक) को सबसे ज्यादा स्नेह करती थी। अब पुलिस के सामने सवाल यह खड़ा हो गया है कि फिर मां भला बच्चे की हत्या क्यों करेगी। मां की मानसिक दशा कुछ ठीक नहीं थी। यही एक कारण पुलिस को अब हत्या की नजर आ रही।

बुधवार की रात शहर के नजदीक खरमोरा जंगल में एक ढाई साल के बच्चे की लाश पर लकड़ी एकत्रित करने पहुंचे एक दंपति की नजर पड़ी। वह वापस लौट कर इस घटना की जानकारी दी और क्षेत्र में

सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की, तो बच्चे का पेंट खुला मिला और गुप्तांग झुलसी अवस्था में मिला। देख कर अंदाजा लगाया जा रहा है कि जलाने का प्रयास किया गया है। गले में धारदार हथियार का निशान पुलिस को मिला। प्रथम दृष्टया ही पुलिस ने इसे हत्या का मामला मान कर तफ्तीश को आगे बढ़ाया। पहले तो बच्चे की पहचान में दिक्कत आई, फिर कुछ लोगों की मदद से उसकी पहचान रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले खरमोरा निवासी गणेश व मालती चौहान के पुत्र शिवा चौहान के रूप में की गई। पुलिस घर पहुंची तो पता चला कि मालती घटना के बाद से ही लापता है और उसका पति गणेश चार दिन पहले अस्वस्थ्य होने की वजह से अस्पताल में भर्ती है। आसपास में रहने वालों ने पुलिस के समक्ष इस बात की पुष्टि की है कि घर से शिवा के साथ अस्पताल जाने के नाम से सुबह सात बजे निकली थी, पर वह अस्पताल नहीं पहुंची। सीसीटीवी फुटेज निकाले जाने पर मालती बच्चे के जाती नजर आ रही। बहरहाल पुलिस लापता मालती की पतासाजी कर रही है।

इसके पहले भी मालती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से वह तीन बार लापता हो चुकी है। बताया जा रहा है कि वह खुद से वापस घर लौट आई थी। मालती की बहन व बहनोई भैंसमा में रहते हैं। कई बार वह भैंसमा भी बिना किसी को बताए चली जाती थी। पुलिस की टीम वहां पहुंची तो पता चला कि मालती वहां नहीं पहुंची है।

चार बच्चों में सबसे ज्यादा स्नेह करती थी मृतक को

मालती के दो लड़कियों में एक 11 साल की है, दूसरी नौ साल की। दो लड़कों में एक छह साल का और शिवा सबसे छोटा ढाई साल का था। पड़ोसियों का कहना है कि चारों बच्चों में सबसे ज्यादा स्नेह छोटे बच्चे से था। वहीं पुलिस को यह जानकारी भी मिली है कि अचानक उसकी मानसिक स्थिति खराब होती थी, इसलिए पूजा पाठ से जुड़े अंधविश्वास के इंगल से भी मामले की जांच की जा रही। साइबर सेल के माध्यम से उसके मोबाइल नंबर को भी ट्रेस किया जा रहा।

जशपुर में ट्रैक्टर पलटने से छात्र की मौतः स्कूल में विदाई समारोह के बाद घर जाते समय हुआ हादसा, 3 बच्चे घायल

जशपुर (ए)। जशपुर जिले में तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे एक छात्र की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीन छात्र घायल है। बताया जा रहा है कि ये छात्र स्कूल में आयोजित विदाई समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। घटना कांसाबेल थाना क्षेत्र के उपर घींचा गांव की है।

जानकारी के अनुसार, खुंटगांव के सरकारी हाई स्कूल में गुरुवार को कक्षा 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया था।

विदाई समारोह के बाद 11वीं का छात्र शिव रतन राम (मृतक) अपने 3 साथियों के साथ वापस घर वापस जाने के लिए ट्रैक्टर में सवार हो गए।

इसी दौरान उपर घींचा के पास में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे छात्र शिव इंजि और स्टेयरिंग के बीच दब गया। वहीं, तीन बच्चे दूर फेंका गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंजन के नीचे दबे छात्र को बाहर निकाला।

लेकिन तब तक उसकी सांसे थम गई थी। घटना की सूचना पर कांसाबेल पुलिस को दी गई। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र सिन्हा का कहना है कि मामले में विस्तृत रिपोर्ट बीईओ से मंगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पार्टनर ने बिना जानकारी बेच दी बस, जुर्म दर्ज

बिलासपुर। सरकंडा क्षेत्र में रहने वाले युवक ने अपने परिचित के साथ मिलकर पार्टनरशिप में दो बसें खरीदी। एक साल बाद ही पार्टनर ने दोनों बसों को बेच दिया। इसकी भनक दूसरे पार्टनर को नहीं लगी। बाद में मामला खुल जाने पर पीड़ित ने सरकंडा थाने में शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है। सरकंडा के रामाग्रीन सिटी में रहने वाले शशांक सिंह ने अमानत में खयानत करने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले के दीपका में रहने वाले मुकेश मिश्रा से उनकी जान-पहचान थी।

दोनों ने दो ट्रेवलर बस खरीदने पार्टनरशिप की थी। इसमें शशांक का हिस्सा 70 और मुकेश का हिस्सा 30 प्रतिशत था। बस को मुकेश के नाम पर फाइनेंस कराया गया। इसके बाद बस को इंदौर में मोडिफाइड कराया गया। इसमें भी करीब 10 लाख रुपये का खर्च आया। इसका खर्च नकद में शशांक ने ही वहन किया। बाद में मुकेश की नीयत बदल गई। उसने एक बस को चंद्रशेखर अईगर और एक बस को हरिश गनपत राव नायडू के पास बेच दिया। इसकी भनक तक शशांक को नहीं लगी। बाद में मामले की जानकारी होने पर उन्होंने सरकंडा थाने में शिकायत की।

कुम्हारी डीएमसी के पास बड़ा हादसा, ट्रेलर की चपेट में आने से पिता-पुत्री की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। यहां नेशनल हाइवे पर डीएमसी के सामने ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार पिता व पुत्री की मौत हो गई। घटना में एक बेटी घायल बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया। वहीं घायल बच्ची को अस्पताल भेजा गया। हादसे के कारण काफी देर तक सड़क के एक ओर लंबा जाम लग गया।

मिली जानकारी के अनुसान डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव निवासी कन्हैय्या सतनामी अपनी दो बेटियों मोनिका व छाया को बाइक से लेकर रायपुर के अकोली गांव जा रहा था। दोपहर करीब 1:45 बजे कुम्हारी थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर डीएमसी के पास ट्रेलर की चपेट में आ गया। हादसे में कन्हैय्या सतनामी व उसकी बड़ी बेटी मोनिका की मौत हो गई। वहीं छोटी बेटी छाया घायल हो गई। घायल छाया को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं सूचना मिलते ही मौके पर कुम्हारी पुलिस पहुंच गई।

हादसे के बाद लगा जाम

हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम जैसी स्थिति लग गई। बाइक सवार को ठोकर मारने के कारण सड़क पर खून ही खून फैला हुआ था। घटना के बाद ट्रेलर का चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। कुम्हारी पुलिस ने पहले तो मौके से जाम क्लीयर करवाया। मृतकों के शवों को पीएम के लिए भेजा गया। मृतकों की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दे दी गई है। वहीं पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में ट्रेलर चालक की तलाश कर रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

ई-श्रम पोर्टल में पंजीकृत ऐसे श्रमिक जिन्हें राशनकार्ड जारी नहीं है, उन्हें भी राशनकार्ड की पात्रता

दुर्ग। सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा आदेश पारित किया गया है कि ई-श्रम पोर्टल में पंजीकृत ऐसे श्रमिक जिन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राशनकार्ड जारी नहीं है, उन्हें भी पात्रतानुसार राशनकार्ड जारी करने हेतु आदेशित किया गया है। खाद्य नियंत्रक के अनुसार खाद्य विभाग एवं श्रम विभाग समन्वय कर राशनकार्ड जारी करने हेतु प्रयासरत् है। अतएव ऐसे सभी पंजीकृत हितग्राही जिन्हें अन्त्योदय या प्राथमिकता राशनकार्ड अभी तक जारी नहीं हुआ है, वे अपने स्थानीय निकाय ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्र में नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर ई-श्रमिक कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता के छायाप्रति के साथ शीघ्र आवेदन पत्र प्रस्तुत करें ताकि उन्हें राशनकार्ड जारी किया जा सके।

अहिवारा एवं भिलाई नगर में विकास कार्य के लिए 57.17 लाख रुपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए विधानसभा क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण), अहिवारा एवं भिलाई नगर सहित तीनों क्षेत्रों हेतु 8 विकास कार्यों के लिए कुल 57 लाख 17 हजार 116 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण) के लिए विधायक ललित चंद्राकर द्वारा अनुशंसित 1 विकास कार्य हेतु 2 लाख 99 हजार 596 रूपए, विधानसभा क्षेत्र अहिवारा के लिए विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित 1 विकास कार्य हेतु 3 लाख 70 हजार रूपए एवं विधानसभा क्षेत्र भिलाईनगर में 6 विकास कार्यों के लिए विधायक श्री देवेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित 50 लाख 47 हजार 520 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विस क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण) अंतर्गत वार्ड क्र. 07 में तामेश डेलीनिड्स के पीछे शिव मंदिर के पास पेवर ब्लॉक एवं तार फेंसिग लगाने हेतु 2 लाख 99 हजार रूपए, विस क्षेत्र अहिवारा अंतर्गत ग्राम सहगांव में प्राथमिक शाला प्रांगण में चेकर टाईल्स कार्य हेतु 3 लाख 70 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार विस क्षेत्र भिलाई नगर के 6 विकास कार्यों में भिलाई नगर अंतर्गत वार्ड न. 60 सेक्टर-5 स्थित सड़क नं. 40-41 के मध्य डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 19 लाख 98 हजार रूपए, सेक्टर 06 स्थित तेलगु क्रिश्चन समाज (बैप्टिस्ट) चर्च के समीप सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु 9 लाख 99 हजार 758 रूपए, वार्ड क्र. 63 सेक्टर 06 मलयालय ग्रंथालय के समीप डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 10 लाख रूपए, सेक्टर 8 गोल मार्केट के पास सार्वजनिक सामुदायिक मंच निर्माण कार्य हेतु 4 लाख 99 हजार 762 रूपए, वार्ड क्र. 59 क्रास स्ट्रीट 4 के पास शेड निर्माण कार्य हेतु 3 लाख एवं सेक्टर 10 देना बैंक के पीछे शिव मंदिर में मंच निर्माण कार्य हेतु 2 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

विधानसभा में पूर्व सीएम भूपेश ने विधायक रिकेश को कहा बुलडोजर बाबा, टहाकों से गूंजा सदन

- सदन में विधायक रिकेश सेन ने उठया हाउसिंग बोर्ड के कंडम मकानों का मुद्दा
- विधायक ने औद्योगिक क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कालोनी के कंडम 724 मकानों के रिनोवेशन पर कराया ध्यानाकर्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को सदन की कार्रवाई के बीच पूर्व सीएम भूपेश बघेल के संबोधन ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने वैशाली नगर विधायक को बुलडोजर बाबा कहा। यह सुनते ही सदन में टहाके गूंजने लगे। दरअसल विधायक रिकेश सेन ने विधानसभा में औद्योगिक क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कालोनी के कंडम 724 मकानों के लिए तत्काल कार्ययोजना बना कर इन आवासों की मरम्मत या पुनर्निर्माण के विषय में ध्यानाकर्षण करवाया।

साथ ही विधायक सेन ने औद्योगिक क्षेत्र में डीआईसी की सैकड़ों एकड़ जमीन पर हुए अवैध कब्जों पर बेदखली कार्रवाई कर यह जमीन खाली करवाने की भी मांग की है।

उनकी इसी मांग पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि रिकेश जी तो खुद बुलडोजर बाबा हैं, ले जाकर बुलडोजर चलवा दीजिए। रिकेश सेन को बुलडोजर बाबा कहने के बाद सदन में कुछ देर तक टहाके गूंजने लगे। यही नहीं स्वयं विधायक रिकेश भी अपनी हंसी को रोक नहीं पाए।

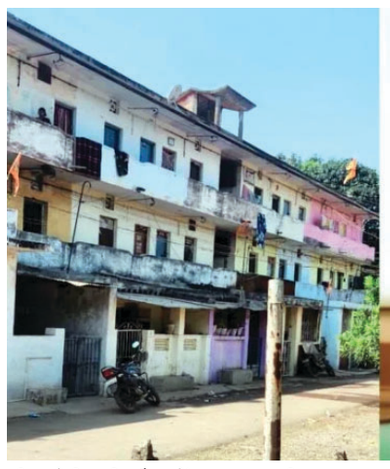

हाउसिंग बोर्ड के 724 कंडम आवासों का मुद्दा उठाया

शून्यकाल के दौरान विधायक रिकेश सेन ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड स्थित 724 आवासों में कई वर्षों से रह रहे लगभग तीन हजार परिवारों के संबंध में शीघ्र कार्ययोजना को जमीनी स्तर पर लाया जाए। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वर्ष 2007 से कंडम घोषित किए गए इन आवासों की हालत काफी जर्जर है और कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यहां तीन मंजिला भवन 1965 से 1974 तक बनाए गए इन आवासों को लगभग 50 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। लंबे समय से हाउसिंग बोर्ड यहां के रहवासियों को राहत देने की कार्ययोजना बनाए जाने की बात कहता रहा है लेकिन धरातल पर दिखाई नहीं दे रही। विधायक रिकेश सेन ने सदन में मांग की है कि इस संबंध में जल्द ध्यान देते हुए हाउसिंग बोर्ड को 724 क्वार्टर की समस्या के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए जाएं।

बता दें 1965 से 1974 तक 724 आवास हाउसिंग बोर्ड कालोनी में निजी उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के लिए बनाए गए थे। जिनसे 1980 से 2003 तक हाउसिंग बोर्ड ने 30 रूपये प्रतिमाह किराया भी लिया था। कालोनी के लगभग 3 हजार रहवासियों का कहना है कि तीन मंजिला बिल्डिंग में 24 कमरे थे, जिसमें प्रत्येक की लागत लगभग 6000 थी और 96000 में पूरी बिल्डिंग बनी थी।

100 एकड़ से अधिक जमीन पर अवैध कब्जे

विधानसभा में विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा में उद्योग की लगभग सौ एकड़ से अधिक जमीन पर पिछले पांच वर्ष के भीतर धड़ल्ले से अवैध कब्जे हुए हैं। उद्योग विभाग की इस बेशकीमती जमीन पर कब्जे की वजह से विभाग उन युवाओं को औद्योगिक जमीन नहीं दे पा रहा है जो रोजगार के लिए बेहतर उद्यम की परिकल्पना और प्रोजेक्ट के साथ उद्योग स्थापित कर अपने और अन्य बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का अवसर लाना चाहते हैं। ऐसे उद्योग के लिए लंबे समय से आवेदन पेंडिंग हैं और जमीन पर अवैध कब्जे की वजह से उद्योग विभाग जमीन आबंटन कर नहीं पा रहा है। विधायक रिकेश सेन ने उद्योग मंत्री से आग्रह किया कि ऐसी जमीनें जितनी जल्दी हो सके अवैध कब्जे से मुक्त कराएं, आवश्यकता पड़े तो बुलडोजर चलवा कर उद्योग विभाग की इन जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराएं और जरूरतमंद युवाओं को उद्योग लगाने के लिए प्रदान किया जाए। इससे क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उनकी मांग पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने सदन को आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द उद्योग विभाग की जमीन अवैध कब्जा मुक्त की जाएगी।

विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ शिविर कार्यक्रम कल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन निगम द्वारा भारत शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं भारत सरकार के फ्लेगशीप स्कीम के प्रचार-प्रसार तथा योजनाओं के कवरेज को बढ़ावा देने एवं हितग्राहियों में जागरूकता लाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा 3.0 के सफल क्रियान्वयन हेतु आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर बैठक आहुत की गई।

विकसित भारत संकल्प शिविर की तैयारियों को लेकर उपायुक्त मोहेंद्र साहू ने संबंधित सहायक अभियंता जितेंद्र समैया,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता मोहित मरकाम,भारती ठाकुर,स्वेता महलवार,करण यादव,बाजार अधिकारी चंदन मनहरे,थानसिंह यादव,पंकज चंद्रवंशी आदि के साथ बैठक ली।आपको बता दे कि विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ शिविर कार्यक्रम दिनांक 24 फरवरी मिनी स्टेडियम बैगापारा में प्रात:9 बजे से किया जाएगा। जिसके लिए नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त मोहेन्द्र साहू ने अधिकारियो को कार्यक्रम में आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया।शिविरों में स्टाल लगाने के अलावा अन्य कार्यो के लिए निर्दशित किया।बता दे कि आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू उपायुक्त एवं नोडल अधिकारी दिनेश कुमार नेताम, कार्यपालन अभियंता को जिम्मेदारी दी गई है।दुर्ग निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दिनाँक 26 फरवरी को शिविर सुबह 8 बजे से वार्ड क्रमांक 1 ढीमर समाज सामुदायिक भवन नया पारा एवं वार्ड क्रमांक 8 शिविर दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक शासकीय प्राथमिक शाला सराय के पास,27 फरवरी को वार्ड क्रमांक 31 शनिचरी बाजार पुराना स्वास्थ्य विभाग एवं 2 से 6 बजे तक शासकीय पू.मा.शाला केलाबाड़ी में,28 फरवरी को वार्ड क्रमांक 52 शीतला चौक हनोदा रोड बोरसी एवं 2 से शाम 6 बजे तक वार्ड क्रमांक 4 मुक्ति धाम रोड गया नगर के अलावा 29 फरवरी को वार्ड क्रमांक 20 कुषाभाउ ठाकरे एवं 2 से शाम 6 बजे तक वार्ड क्रमांक 49 साईं सुपर मार्केट विद्युत नगर में आयोजन किया गया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन नगर पालिक निगम क्षेत्र में किया जाएगा।शिविरों में आयुष्मान भारत, पीएम स्वनिधि,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आधार पंजीयन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना व महतारी वंदन योजना का स्टाल लगाया जाएगा।

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा में मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा में किसानों एवं उद्यमियों के विशेष मांग पर मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 23 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.आर.बी.सिंह के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.एस.के. तिवारी के निर्देशन में विभिन्न जिलों से आए हुए 38 प्रतिभागियों, निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ.जी.के.दत्ता, निदेशक जैव प्रौद्योगिकी डॉ.एम.के.अवस्थी, डॉ.के.मुखर्जी, डॉ.केशब दास, डॉ.धीरेंद्र भोंसले, प्राध्यापको, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ.दिलीप चौधरी, उपकुलसचिव डॉ.एम.के. गेंदले, कुलपति जी के निज सहायक श्री संजीव जैन एवं अन्य की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा मुर्गी पालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे छत्तीसगढ़ में मुर्गी पालन की संभावनाएं, छत्तीसगढ़ की जलवायु के लिए उपयुक्त नस्ल, उनके आवास एवं सामान्य प्रबंधन, कुक्कुट

आहार का प्रबंधन, मुर्गियों में रोग प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार, मुर्गियों में होने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां उनका टीकाकरण, रोकथाम, कम लागत में मुर्गी घर का निर्माण, उनकी प्रजनन व्यवस्था, ब्रूडिंग, चूजा, ग्रोवर एवं लेयर पालन तथा प्रबंधन पर जानकारियां दी गई। छत्तीसगढ़ तथा भारत सरकार द्वारा मुर्गी पालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे नेशनल लाइव स्टॉक मिशन एवं नाबार्ड घोषित योजनाएं आवेदन प्रक्रिया, बैंक लोन की प्रक्रिया, छत्तीसगढ़ राज्य में रुरल इंडस्ट्रियल पार्क के अंतर्गत मुर्गी पालन में संभावनाओं के बारे में विभिन्न विषय विशेषज्ञों के द्वारा सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 एवं बी.व्ही.एस.सी.एण्ड एच.के प्रथम वर्ष के बुकलेट का भी विमोचन किया गया। इस बुकलेट का प्रकाशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अनुसूचित जाति उपयोजना के वित्तीय सहयोग से किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ.आर.आर.बी.सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में मुर्गी पालन की असीम संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर मुर्गी पालन को बढ़ावा देने हेतु कुक्कुट जर्मप्लाज्म का वितरण विभिन्न परियोजना द्वारा लगातार किया जा रहा है। भविष्य में कुक्कुट पालन व्यवसाय को काफी आगे जाना है, बस आवश्यकता है सिर्फ कुशल प्रबंधन एवं तकनीकी जानकारी की। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर एस के तिवारी ने अपने व्याख्यान में कहा कि मुर्गी पालन हेतु किसानों को हमेशा तकनीकी सहयोग महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा। महाविद्यालय द्वारा बैकयार्ड कुक्कुट पालन हेतु बटेर, टर्की एवं वन राजा तथा कड़कनाथ मुर्गी चुजों का वितरण भी किया जाता रहा है। विगत 5 वर्षों में एक लाख से अधिक चुजों का वितरण किया जा चुका है। कार्यक्रम प्रशिक्षण आयोजक डॉ.ओ.पी.दीनान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीप्ति किरण बरवा द्वारा किया गया।

फाइनल मैच जीतकर बीएमवाय ने किया लोटस ट्राफी पर कब्जा

भिलाई । न्यू मशाल क्लब द्वारा मिनी स्टेडियम भिलाई-3 में आयोजित नाइन ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच जीतकर बीएमवाय चरोदा ने लोटस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में बीएमवाय चरोदा ने नारायणपुर को 2 - 1 गोल से पराजित किया। मुख्य अतिथि दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने विजेता व उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार सहित ट्राफी दी। रात्रि कालीन फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन न्यू मशाल क्लब भिलाई 3 के तत्वाधान में मिनी स्टेडियम भिलाई 3 में 15 से 21 फरवरी तक स्वर्गीय इंदर चंद्र एवं प्रभावती देवी की स्मृति में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भिलाई दुर्ग व रायपुर सहित बालाघाट, नारायणपुर, रीवा, रायगढ़, कोरबा की टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में बीएमवाय चरोदा और नारायणपुर की टीम के बीच जोरदार खेल देखने को मिला। अंतत: बीएमवाय चरोदा ने एक के मुकाबले दो गोल दागकर जीत दर्ज कर ली।

घटिया निर्माण करने वालों पर नजरः निर्माण कार्यों पर निगरानी करने महापौर ने बनवाया व्हाट्सएप ग्रुप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्यो पर महापौर शशि सिन्हा की नजर रहेंगी। इसके लिए उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप बनवाया है। निगम के सुपरवाइजर कार्यो की प्रगति इसी ग्रुप में फोटो के साथ डालेंगे। उक्त निर्देश उन्होंने सब इंजीनियरों की बैठक में दिए।

महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि नगर पालिक निगम रिसाली के 40 वार्डो में होने वाले निर्माण कार्य की समीक्षा हर दूसरे दिन करेंगी। उन्होंने सब इंजीनियरों को निर्देश दिए कि गुरूवार की स्थिति में एक व्हाट्एप

ग्रुप बनवाया जाए। जिसमें सुपरवाइजर प्रतिदिन कार्य आरंभ होने, प्रगति और निरीक्षण करते फोटो पोस्ट करेंगे। अगर कार्य रूका हुआ है तो उसकी जानकारी कारणों के साथ डालना आवश्यक होगा। महापौर की बैठक में सहायक अभियंता आर.के.जैन, उपअभियंता अखिलेश गुप्ता, डिगेश्वरी चंद्राकर, नितीन अमन साहू, उमयंती ठाकुर व सुपरवाइजर आदि उपस्थित थे।

बैठक में महापौर ने कहा कि टाउनशिप में विद्युत व्यवस्था चरमराई हुई है। इसके लिए निगम के अधिकारी पार्षदों से प्रकाश व्यवस्था के लिए विशेष चर्चा करे। वार्ड पार्षदों के पत्र को आधार बनाते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग को पत्र लिखे।

महापौर ने एक घंटे से भी अधिक समय तक अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। लापरवाह ठेकेदार को बिना देरी किए नोटिस दे। जवाब से संतुष्ट होने पर कार्य आरंभ कराए, अन्यथा कार्यवाही करे। बैठक में सब इंजीनियरों को निर्देश दिया गया है कि वे इस बात का विशेष ध्यान रखे कि निगम क्षेत्र में विकास की कमी न हो। एमआईसी में प्रस्तुत होने वाले प्रस्ताव को शीघ्र बनाए। आगामी एमआईसी में वे प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।

संयंत्र स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा 'भारतीय चुनाव प्रक्रिया में हिंदी का योगदान' विषय पर आयोजित, संयंत्र स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 22 फरवरी 2024 को इस्पात भवन के द्वितीय तल सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर थे।

समारोह में प्रतियोगिता के निर्णायक, महाप्रबंधक हरप्रीत सिंह, महाप्रबंधक ज्योतीन्द्र नाथ ठाकुर एवं महाप्रबंधक वीरेन्द्र ओगले थे। पुरस्कार वितरण समारोह में संयंत्र के विभिन्न विभागों से प्रतिभागी सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम सहायक महाप्रबंधक सुभाष भाई पटेल ने किताब भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। निर्णायकगण के स्वागत उपरान्त उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतियोगिता की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा बताया, कि नवंबर माह में संपन्न पाँच राज्यों के विधान सभा चुनावों के दौरान मतदाता जागरूकता एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। तदुपरांत प्रतियोगिता के निर्णायकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

संदीप माथुर ने कहा कि हमारा भारत एक लोकतान्त्रिक गणराज्य है। चुनाव के माध्यम से देश की जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों से ही देश की शासन व्यवस्था चलाई जाती है। इसमें हमारे राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी हो, प्रत्येक नागरिक चुनाव बूथ तक जाकर वोट डाले अथवा पोस्टल मतदान करें। जैसा भी संभव हो, इस लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में अपना योगदान अवश्य ही दें। इस उद्देश्य से जनजागरण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किए जाते हैं।

इन प्रयासों का माध्यम भी सामान्यतया हिंदी रहता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि राष्ट्र के लगभग समस्त क्षेत्रों में, सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। हम सबका भी कर्तव्य है, कि हम अपना सारा कामकाज हिंदी में करें और भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करें।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के निर्णायक वीरेन्द्र ओगले ने इस आयोजन को अनुकरणीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि, सभी प्रतिभागियों की रचनाएँ अत्यंत उत्कृष्ट, संग्रहणीय व प्रशंसनीय थीं। उन्होंने निबंध लेखन हेतु उपयोगी अत्यंत महत्वपूर्ण बिन्दुओं की जानकारी दी।

हरप्रीत सिंह ने कहा कि प्रत्येक प्रतिभागी, विजेता हैं व भाग लेना पुरस्कार जीतने से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने लेखन को बेहतर बनाने तथा प्रतियोगिताओं में बेहतर परिणाम लाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता इस प्रकार हैं: प्रथम-जेएसए (कार्मिक) सुश्री अंजना अमृत, द्वितीय - प्रबंधक (एसएमएस-3) लोकेश प्रसाद मोंगरे तथा तृतीय - उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) सुश्री अमृता गंगराडे रहे। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता: एसीटी (रेल मिल) नवीन चन्द्र बोस, सीनियर ओसीटी (इनकॉस) रश्मि नायक एवं एमओसीटी (सीएचएम-3) अनिल कुमार अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए आवेदन 25 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में आनलाईन राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य एफपी.एस माडयूल एवं सिटीजन-एप के माध्यम से किया जा रहा है। अब तक 3,67,893 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आनलाईन आवेदन किया है जो कि कुल राशनकार्डों का 77.52 प्रतिशत है। 1,06,687 कार्डधारियों द्वारा अब तक आवेदन नहीं किया गया है।

राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए आवेदन 25 फरवरी 2024 तक ही किये जानें का प्रावधान है। शेष राशनकार्डधारी निर्धारित समय के पूर्व नवीनीकरण आवेदन पूर्ण करा लें। खाद्य नियंत्रक श्री सी.पी. दिपांकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राशनकार्डों पर खाद्यान्न वितरण हेतु नया वर्जन सीजी पीडीएस-वी 3.3 लागू किया गया है। नवीनीकरण एवं माह के प्रथम सप्ताह में राशन वितरण दोनों कार्य पूरे प्रदेश में एक साथ संचालित होने से विभागीय सर्वर पर अधिक लोड बढ़ने के कारण से नवीनीकरण की प्रक्रिया प्रभावित हुई थी अब चूंकि राशन वितरण का कार्य समाप्ति की ओर है। अत: नवीनीकरण का कार्य में विलंब होने की संभावना नही है। शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से नवीनीकरण के अलावा राशनकार्डधारी स्वयं सिटीजन एप के माध्यम से नवीनीकरण का कार्य कर सकते है। नगर निगम आयुक्त, अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नवीनीकरण का कार्य की सतत रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये गये है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950